मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 05
शनिवार, 12 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है भाजपा: राहुल गांधी

ओडिशा, 11 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को ओडिशा में संविधान बचाओ रैली नामक एक जनसभा में भाग लिया। यह सभा पार्टी द्वारा समर्थन जुटाने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। इस दौरान राहुल ने भाजपा पर जमकर वार किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार का बस एक ही काम है - राज्य की गरीब जनता के हाथों से ओडिशा की संपत्ति छीनना। पहले बीजद सरकार यही करती थी और अब भाजपा सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं, तो दूसरी तरफ 5-6 अरबपति और भाजपा सरकार है। यह लड़ाई जारी है। ओडिशा की जनता के साथ मिलकर कांग्रेस कार्यकर्ता ही इस लड़ाई को जीत सकते हैं, कोई और नहीं।

राहुल ने आगे कहा कि मैं कल बिहार में था। जैसे महाराष्ट्र में चुनाव चोरी की गई, वैसी ही कोशिश बिहार में भी हो रही है। चुनाव चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साज़िश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा की तरह काम कर रहा है, अपना काम नहीं कर रहा। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और कहाँ से आए। हमने चुनाव आयोग से कई बार मतदाता सूची और वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने को कहा। लेकिन चुनाव आयोग ने हमें ये नहीं दिए। वे बिहार में भी

वही चोरी करने जा रहे हैं जो महाराष्ट्र में की गई थी। मैं कल बिहार गया था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं के साथ मैंने कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकलती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसके पीछे चलते हैं। फिर, एक नाटक होता है - अडानी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं। इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ आ जाएगा। यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है। इसका लक्ष्य आपकी जमीन, जंगल और भविष्य को लूटना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इखढ आपसे जल, जंगल, जमीन चुराना चाहती है। उन्होंने आगे कहा क कुछ नया शुरू हो गया है। ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएँ गायब हो चुकी हैं। आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएँ कहाँ गईं। यहाँ हर रोज महिलाओं पर अत्याचार होता है। उनके साथ बलात्कार होता है।

ओडिशा में हर रोज 15 महिलाओं के साथ बलात्कार होता है। आपकी सरकार चौबीसों घंटे सिर्फ.आपका खून चूसती है, आपकी जमीन छीनती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता- जिनके ऊ्ठअ में कांग्रेस है। आप हमारे बब्बर शेर हैं, जो ओडिशा की जनता की रक्षा करते हैं।

भाजपा ने स्वीकार किया टी राजा सिंह का इस्तीफा

तेलंगाना, 11 जुलाई। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह इस्तीफा भाजपा द्वारा वरिष्ठ नेता एन. रामचंदर राव को तेलंगाना राज्य इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त करने के हालिया फैसले के बाद आया है - एक ऐसा कदम जिसने कथित तौर पर सिंह के इस्तीफे का कारण बना। सिंह के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए अपने पत्र में, भाजपा ने उनके बयानों पर अपनी स्पष्ट अस्वीकृति व्यक्त की, जिसमें कहा गया, आपके द्वारा उल्लिखित विषयवस्तु अप्रासंगिक है और पार्टी की कार्यप्रणाली, विचारधारा और सिद्धांतों से मेल नहीं खाती है। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के निदेशानुसार, मैं सूचित करता हूं कि आपका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार

कर लिया गया है। सिंह के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया कि तेलंगाना में जमीनी स्तर के भाजपा कार्यकताओं के मजबूत समर्थन के बावजूद, वह आलाकमान के फैसले से निराश थे और खुद को दरकिनार महसूस कर रहे थे। अपने आक्रामक हिंदुत्व रुख के लिए जाने जाने वाले सिंह को उम्मीद थी कि राज्य अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा और उन्होंने कथित तौर पर पार्टी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राह पर ले जाने की इच्छा व्यक्त की थी।इससे पहले जारी एक वीडियो संदेश में, सिंह ने राज्य इकाई का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त होने पर अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वह एक समर्पित गौ रक्षा शाखा बनाते, हिंदुत्व-संचालित अभियानों को तेज करते, और पार्टी के भीतर वीआईपी संस्कृति को जड़ से उखाड़ फेंकते। सिंह ने जोर देकर कहा कि नेतृत्व की भूमिका किसी ऐसे व्यक्ति को मिलनी चाहिए जो वैचारिक रूप से भाजपा के मूल मूल्यों से जुड़ा हो, न कि किसी व्यक्तिगत छवि या अभिजात्यवाद से प्रेरित हो।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय समेत 10 के खिलाफ केस दर्ज

वाराणसी, 11 जुलाई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय सहित दस अन्य लोगों पर वाराणसी में सड़क को बाधित करने और अव्यवस्था फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, कांग्रेस नेता ने अपने कार्यों का बचाव करते हुए जोर देकर कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र में अस्वीकार्य सड़क स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करना था। अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार हमारे खिलाफ कई मामले दर्ज कर रही है। यह सब इसलिए है क्योंकि आज हम सरकार को जगाने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि आज से सावन का महीना शुरू हो गया है, और पूरा शहर गड्ढों से भरा हुआ है। कल, मैं एक कांवरिया शिविर में

गया था, लेकिन वहां भी बिजली की व्यवस्था नहीं थी। सिगरा स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर संजय कुमार ने कहा कि विरोध मार्च से आम जनता को असुविधा हुई, जिसमें रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे परिवहन केंद्रों की ओर जाने वाले लोग भी शामिल थे, एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं का तो कहना ही क्या। उन्होंने आगे कहा कि स्टेशन और बस स्टैंड जाने वाले लोग रास्ते में फंसे रहे। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ पुलिस चौकी प्रभारी विकल शांडिल्य की तहरीर पर राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित 10 नामजद और 40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 (सार्वजनिक मार्ग में बाधा डालना), 326(बी) (खतरनाक हथियार लेकर चलना), 126(2) (किसी को गलत तरीके से रोकना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से डरी और घबराई हुई है।

अगर अधिकारी फोन उठाते तो इतनी शिकायतें नहीं होतीं : अरविन्द कुमार

- व्यवस्था में सुधार लाने के लिए विभागीय स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करनी होगी

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की ओर से शुक्रवार को आयोजित जनसुनवाई ने एक बार फिर दिखा दिया कि बिजली व्यवस्था में सुधार अब जरूरत ही नहीं, जन-आवश्यकता बन चुकी है। उपभोक्ताओं को सिर्फ बिल नहीं, सुविधा चाहिए, और यह आवाज अब नजरअंदाज नहीं की जा सकती। बिजली व्यवस्था की हकीकत को आईने की तरह जिस तरह सामने ले आई है, वो इस बात का संकेत है कि पूर्वांचल में बिजली व्यवस्था सुचारु रुप से नहीं चल रही है। यही वजह है कि उपभोक्ताओं, उद्यमियों और बुनकरों की पीड़ा सुनने के बाद आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार ने अधिकारियों की कार्यशैली, खराब सेवा और संवादहीनता पर जमकर नाराजगी जताई। उन्होंने मंच से खुले शब्दों में कहा, अगर बिजली निगम के अधिकारी उपभोक्ताओं के फोन समय से उठाते और शिकायतों को गंभीरता से लेते, तो इतनी समस्याएं इकट्ठा ही नहीं होतीं। उपभोक्ता संवाद अब केवल औपचारिकता नहीं, प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने कहा, उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनना और तत्काल कार्रवाई करना अधिकारियों की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

व्यवस्था में सुधार लाने के लिए विभागीय स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करनी होगी। सिर्फ दरों की बात करना पर्याप्त नहीं है, जब तक सेवा गुणवत्ता न सुधरे। बिजली दरों में बढ़ोतरी के सवाल पर आयोग अध्यक्ष ने सीधा जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि दर निर्धारण एक प्रक्रिया है, जिसमें सभी पक्षों की बातों को गंभीरता से सुना जाएगा।

वाराणसी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए उपभोक्ताओं ने बताया कि मीटर में गड़बड़ी महीनों तक नहीं सुधारी जाती, शिकायतों पर फोन तक नहीं उठते और बिलिंग में भारी गड़बड़ियां हैं। कई उपभोक्ताओं ने कहा कि उन्हें गलत बिल भेजे जाते हैं और सुधार के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक महिला उपभोक्ता ने जनसुनवाई में आकर रोते हुए बताया कि बिना खपत के पांच हजार रुपये का बिल भेजा गया, तीन बार चक्कर लगाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई।

बुनकर समुदाय से जुड़े प्रतिनिधियों ने कहा कि कम वोल्टेज और लगातार ट्रिपिंग से हथकरघा उद्योग ठप पड़ने की कगार पर है। काशी की पहचान माने जाने वाले बनारसी वस्त्र उद्योग को यह बिजली संकट धीरे-धीरे खत्म करता जा रहा है।

लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों की ओर से आरके चौधरी ने बताया कि अनियमित बिजली आपूर्ति से मशीनें बार-बार बंद हो जाती हैं। इससे न केवल उत्पादन प्रभावित हो रहा है बल्कि श्रमिकों को समय पर भुगतान में भी दिक्कत आ रही है।

वाराणसी की जनसुनवाई में उपभोक्ता फूंट पड़े– बिजली अफसरों की दलाली में जल रही है

- न निजीकरण चाहिए, न महंगी बिजली—बनारस में उपभोक्ता हुए एकजुट
- 33122 करोड़ सरप्लस फिर भी दर बढ़ाने की तैयारी, उपभोक्ता परिषद बोली—हाथ में आएगी हथकड़ी

वाराणसी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के निजीकरण और बिजली दरों में प्रस्तावित वृद्धि को लेकर शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित जनसुनवाई में उपभोक्ताओं, उद्योगपतियों और किसानों ने जमकर विरोध दर्ज कराया। उत्तर

प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के तत्वावधान में हुई इस सुनवाई में उपभोक्ता संगठनों ने एक स्वर में कहा कि न निजीकरण स्वीकार है, न दरों में बढ़ोतरी। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने सुनवाई में मौजूद रहते हुए आरोप लगाया कि निजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह असंवैधानिक और उपभोक्ता विरोधी है। उन्होंने कहा कि देश का कोई भी कानून ऐसी प्रक्रिया की अनुमति नहीं देता, जिसका मकसद सिर्फ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाना हो। जनसुनवाई की अध्यक्षता विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह ने की। इस दौरान पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी शंभू कुमार और पावर कॉर्पोरेशन के मुख्य अभियंता ने प्रस्तुतीकरण दिया, लेकिन इसके बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। अवधेश वर्मा ने बताया कि प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33122 करोड़ रुपये सरप्लस जमा है। ऐसे में बिजली दरों में 45 फीसदी की कमी होनी चाहिए, न कि बढ़ोतरी। उन्होंने कहा कि निजीकरण का मकसद घाटे की आड़ में मुनाफे वाली कंपनियों को चुनिंदा पूंजीपतियों को सौंपना है, जो उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है।

8 महिलाओं सहित 22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 37.5 लाख रुपये का था इनाम

नारायणपुर, 11 जुलाई। अबूझमाड़ वन क्षेत्र में सक्रिय 37.5 लाख रुपये के इनामी 22 माओवादियों ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। नारायणपुर एसपी रॉबिन्सन गुडिया ने बताया कि आज 11 जुलाई को हमने अलग-अलग रैंक के कुल 22 नक्सली कैडर सदस्यों को आत्मसमर्पण कराया है, जिनमें 14 पुरुष और 8 महिलाएं हैं। इनमें प्रमुख हैं डीवीसी शुकलाल, जो कुतुल एरिया कमेटी के प्रभारी थे और कई सालों से माड़ में मौजूद थे। वह लगभग 17-18 सालों से संगठन में हैं और उन्होंने अपने दम पर कई लोगों की भर्ती की है।

रॉबिन्सन गुडिया ने आगे कहा कि अब, इस आत्मसमर्पित कैडर के माध्यम से, हम बाकी समुदाय तक पहुँच रहे हैं। मुख्यधारा के समाज में वापस आने के बाद, उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ मिलेगा। इन नक्सलियों पर कुल इनाम 37.5 लाख है। यह सफलता पूरे साल हमारे द्वारा आत्मसमर्पण के लिए अपनाए गए ऑपरेशन और नरम दृष्टिकोण का परिणाम है। माड़ बचाओ अभियान में यह एक उल्लेखनीय सफलता है।

मध्यप्रदेश के रायसेन में ट्रेन की चपेट में आने से तेंदुए की मौत

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में भोपाल-दिल्ली रेल मार्ग पर कथित रूप से ट्रेन की चपेट में आने से एक तेंदुए की मौत हो गई। वन विभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना दीवानगंज के पास समरधा रेंज क्षेत्र के भदभदा जंगल में हुई। समरधा रेंज के वन अधिकारी शिवपाल पिपर्डे ने बताया कि उन्हें सुबह रेलवे ट्रैक के पास तेंदुए के शव के पड़े होने की सूचना मिली, जिसके बाद वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

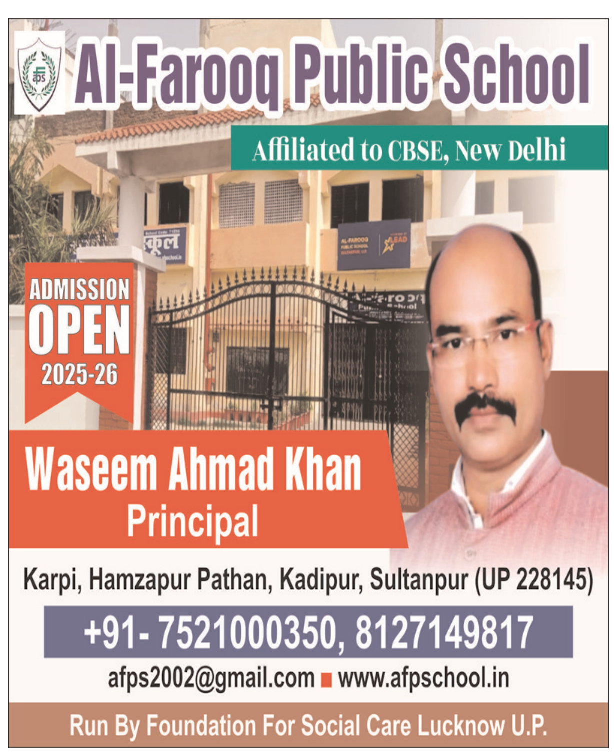

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

-ललित गर्ग

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है। अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के

लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि ह्यजो सरकार करे, उसका विरोध करोह्व, चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मजाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है। भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की जरूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का जो कार्य प्रारंभ किया, वह एक सामान्य प्रशासनिक कार्य नहीं था, बल्कि एक लोकतांत्रिक शुद्धिकरण था। यह सुधार न केवल चुनावों को पारदर्शी बनाता है, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। परन्तु कुछ राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और इसे जातीय आंकड़ों, राजनीतिक संतुलन और चुनावी गणित से जोड़कर कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दशार्ता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता। विपक्ष की प्रतिक्रिया लगभग स्वचालित होती जा रही है, चाहे मुद्दा हो आर्थिक सुधार का, रक्षा नीति का, विदेश नीति का, या अब मतदाता सूची सुधार का। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर सुधार प्रक्रिया, चाहे वह कितनी भी लोकतांत्रिक या पारदर्शी हो, विपक्ष के लिए मात्र एक राजनैतिक खतरा है? विपक्ष का यह रवैया यह दशार्ता है कि उसे संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा कम और अपनी राजनीतिक गणनाओं पर भरोसा अधिक है। एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे बड़ा अधिकार है वोट देना। यदि कोई सुधार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि एक भी फर्जी वोटर सूची में न हो, कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, जाति, धर्म या राजनीति से ऊपर उठकर नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची बने, तो फिर उसका विरोध क्यों?विपक्ष इस डर से ग्रस्त है कि यदि मतदाता सूची साफ-सुथरी हो गई, तो उनके कथित परंपरागत वोट बैंक कमजोर हो सकते हैं। उन्हें डर है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। लोकतंत्र ह्यजो है, उसे प्रतिबिंबित करेह्व, न कि जो चाहिए, उसे निर्मित करे।

चिंता का सबब बनता वर्षा पैटर्न में आता बदलाव

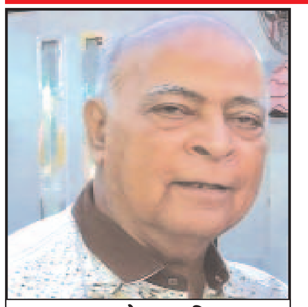

अशोक भाटिया

जलवायु परिवर्तन स्थानीय मौसम पर भी हावी होता दिखाई दे रहा है। जून के अंतिम सप्ताह तक जहां कई जिले सूखे जैसे हालात से गुजर रहे थे, वहीं जुलाई की शुरूआत में अचानक तेज बारिश ने इन्हें डुबो दिया। भारतीय मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2 जुलाई तक देशभर में औसत बारिश सामान्य से 11 प्रतिशत अधिक रही है। लेकिन यह आंकड़ा केवल सतही राहत देता है, क्योंकि असल समस्या बारिश के असमान वितरण की है। देश के 22 प्रतिशत यानी 163 जिलों में अत्यधिक बारिश (लार्ज एक्सेस) दर्ज की गई है, जबकि 14 प्रतिशत जिलों में सामान्य से अधिक (एक्सेस) बारिश हुई है। इसके उलट 30 प्रतिशत जिलों में सामान्य, 26 प्रतिशत में कम (डेफिसिट) और 8 प्रतिशत जिलों में बहुत कम (लार्ज डेफिसिट) बारिश हुई है। गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड ऐसे राज्य हैं जहां बारिश की मार सबसे ज्यादा पड़ी है। इन पांच राज्यों के 111 जिलों में लार्ज एक्सेस बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो देश के कुल अत्यधिक वर्षा वाले जिलों का 68 प्रतिशत है। इनमें गुजरात के 29, राजस्थान के 28, उत्तर प्रदेश के 22, मध्य प्रदेश के 17 और झारखंड के 15 जिले शामिल हैं।

पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी एक सप्ताह में तस्वीर बदल गई। हरियाणा की बारिश 24 प्रतिशत से बढ़कर 85 प्रतिशत अधिक हो गई और अंबाला, हिसार, सिरसा जैसे जिले लार्ज एक्सेस में शामिल हो गए। पंजाब, जो पिछले सप्ताह तक 25 प्रतिशत कम बारिश वाला राज्य था, अब 80 प्रतिशत अधिक बारिश झेल चुका है। हिमाचल प्रदेश में स्थिति और भी गंभीर रही, जहां राज्य औसतन 195 प्रतिशत अधिक बारिश का शिकार हुआ। मंडी जिले में एक सप्ताह में सामान्य से 482 प्रतिशत अधिक बारिश हुई और 1 जुलाई को यह आंकड़ा 1900 प्रतिशत पार कर गया, जिससे भारी तबाही हुई।

देखा जाय तो 1950 से 1980 के दशक तक, यह भारत के कई हिस्सों, विशेष रूप से पश्चिमी घाट (जैसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल), पूर्वोत्तर भारत (असम, मेघालय) और गंगा के मैदान में जून से सितंबर तक पांच से दस दिनों के लिए आम था।यह 15-20 दिन हो सकता है। इससे पहले, मानसून पैटर्न अधिक स्थिर और समान रूप से वितरित था। हमेशा बादल रहते थे। बारिश कई दिनों तक रुक-रुक कर या हल्की बौछारों के रूप में जारी रही। ये वो समय था जब लोग कहते थे कि इतनी बारिश हो रही है कि सूरज बहुत देर तक दिखाई नहीं दे रहा था। महात्मा गांधी ने अपनी मां के उपवास के बारे में लिखा था। महात्मा गांधी की मां पुतलीबाई चातुर्मास में सूर्यदर्शन व्रत रखती थीं। इस व्रत के दौरान वह सूरज देखे बिना भोजन नहीं करती थीं। गांधीजी ने उन्हें 'आत्मकथा 'सत्य प्रयोगों की कहानी' में इसका उल्लेख मिलता है। उन्होंने लिखा कि बरसात के मौसम में उनकी माता ने दो-तीन दिन तक भोजन नहीं किया जब अनेक दिनों तक बादल छाए रहते थे और सूर्य दिखाई नहीं देता था, इस दौरान युवा मोहनदास (गांधी) सुबह से ही आकाश पर नजर बनाए रखते थे; ताकि सूरज निकलते ही वे अपनी मां को सूचना देकर व्रत तोड़ सकें। गांधी जी की आत्मकथा में लिखा गया यह अंश 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत में गुजरात के पोरबंदर जैसे इलाकों से जुड़ा है, जहां बारिश के मौसम में छह से सात दिनों तक लगातार बादल और बारिश देखना आम बात थी।

उन दिनों, मानसून के चरम के दौरान ऐसी स्थितियां अक्सर होती थीं। ग्रामीण भारत में कृषि और जीवन शैली को प्रभावित करने वाली 'सप्ताह भर की बारिश' या 'लगातार भारी बारिश' हुई। भारत के मौसम विभाग (IMD) (1901-1980) के पुराने रिकॉर्ड के अनुसार, भारत के कई हिस्सों में सामान्य मानसून के दौरान 50-100 बरसात के दिन दर्ज किए जाते थे, जिनमें से कई में अक्सर पांच से दस दिनों तक लगातार वर्षा होती थी। गोवा, केरल) में जून-जुलाई में 7-15 दिनों तक लगातार वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वोत्तर भारत और मेघालय जैसे क्षेत्रों में 20-30 दिनों के लिए रुक-रुक कर बारिश सामान्य रही। उत्तर भारत (उत्तर प्रदेश, बिहार) में पांच से 10 दिनों तक लगातार बारिश होती थी। अतीत की तुलना में, जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न को बदल दिया है। अब लंबे समय में हल्की बारिश कम होती है। इसके बजाय, कुछ ही समय में भारी बारिश होती है। पिछले तीन से चार दशकों में वर्षा के पैटर्न में बदलाव के कई कारण हैं। हालांकि, यह बदलाव न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। पिछले कुछ दशकों में, भारत सहित दुनिया भर में औसत तापमान में वृद्धि हुई है। इससे जलवायु में असामान्यता हो गई है। तापमान में वृद्धि से वातावरण की आर्द्रता क्षमता बढ़ जाती है। इससे कभी-कभी कुछ दिनों में भारी बारिश होती है। प्रशांत महासागर में अल नीनो जैसी घटनाएं परिणामस्वरूप भारत में मानसून को कमजोर कर सकती हैं। वर्षा की अवधि और मात्रा भी कम हो गई थी। अतीत में, यह कम था; लेकिन अब इनका असर और भी दिखने लगा है कि कुछ ही घंटों में इतनी तेज बारिश हो जाती है कि बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। हाल के वर्षों में, मानसून जल्दी आता है, कभी-कभी देर से। कभी-कभी यह एक ही दिन में कई राज्यों में पहुंच जाता है। इससे असमान वर्षा वितरण होता है। शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन स्थानीय जलवायु और वर्षा चक्र को भी प्रभावित करता है। भारत में, बूंदा बांदी या हल्की वर्षा कम हो रही है। मानसूनी हवाएं अब पहले की तरह लगातार नमी नहीं लाती हैं। आईएमडी (1951-2015) के अध्ययन के अनुसार, भारत में हल्की बारिश वाले दिनों की संख्या में 10-15 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि भारी वर्षा में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लेकिन इसकी अवधि और नियमितता पहले की तुलना में कम है, मेघालय जैसे क्षेत्रों में अभी भी बूंदाबांदी हो रही है; लेकिन कुल मिलाकर, मध्य और उत्तरी भारत में हल्की वर्षा में काफी कमी आई है, जो बाढ़ या सूखे जैसी मौसम की घटनाओं में वृद्धि के साथ बदल रही है। तमिलनाडु और केरल में अभी भी मानसून और पूर्वोत्तर मानसून के बीच हल्की वर्षा होती है; लेकिन निरंतरता की कमी है। इस साल, भारी बारिश ने मई में मौसम को ठंडा कर दिया। फरवरी में, अचानक सर्दियों को वसंत से बदल दिया गया था। जून में, गर्मी की लहर थी। मई में, कई लोगों ने गर्मी की लहरों के बजाय ठंडी हवाओं का आनंद लिया। कुछ क्षेत्रों में गर्मी के बजाय अलग वर्षा हुई। फिर मानसून की प्रगति रुक गई। इसके लिए जिम्मेदार पश्चिमी विक्षोभ की आवृत्ति पंजाब में जून के पहले सप्ताह से कम हो गई। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में लू की स्थिति बनी रही। कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने जून 2023 में घोषणा की कि औसत वैश्विक तापमान कई दिनों तक पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था, और एक बार फिर बताया कि ग्लोबल वार्मिंग ने 2024 में 1.5 डिग्री का आंकड़ा पार कर लिया था। चरम मौसम की घटनाओं-हीट वेव के ऑक्सीजन के क्षेत्रों को स्थानांतरित करने के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, गर्मी की लहरें अब राजस्थान या विदर्भ तक सीमित नहीं हैं। अरुणाचल प्रदेश, केरल और जम्मू और कश्मीर जैसे पारंपरिक रूप से ठंडे राज्यों ने भी पिछले दो दशकों में गर्मी की लहरों का अनुभव किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की एक रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि करती है। हाल के एक आकलन के अनुसार, उत्तराखंड की पहाड़ियों में 27 प्रतिशत खाद्यान्न और तिलहन फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और उत्पादन में 15 प्रतिशत की कमी आई है। पांच वर्षों में आलू के उत्पादन में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसमें अल्मोड़ा और रुद्रप्रयाग में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. के.जे. रमेश के अनुसार, जलवायु परिवर्तन ने दक्षिण-पूर्व वायुमंडल में आर्द्रता के स्तर में वृद्धि की है। तापमान में हर एक डिग्री की वृद्धि ने वायु की जल वाष्प को धारण करने की क्षमता में सात प्रतिशत की वृद्धि की। सभी पहाड़ी राज्यों में तापमान में दो से चार डिग्री की वृद्धि हुई। आईपीसीसी की रिपोर्ट में वेट-बल्ब तापमान का उल्लेख है। यह मूल रूप से तापमान को मापते समय गर्मी और आर्द्रता जोड़ता है। औसत व्यक्ति के लिए, 31 डिग्री सेल्सियस का वेट-बल्ब तापमान बेहद खतरनाक है। यहां तक कि 35 डिग्री सेल्सियस पर छाया में आराम करने वाले एक स्वस्थ वयस्क को छह घंटे से अधिक समय तक जीवित रहना मुश्किल लगता है। नए शोध से पता चला है कि दक्षिण भारत में तेज हवाएं आर्द्रता को अच्छी तरह से फैला रही हैं। यह हवा में बड़े पैमाने पर बदलाव का संकेत है। जो मानसून प्रणालियों की गति को भी प्रभावित कर सकता है। मानसून में होने वाले इन घातक परिवर्तनों को रोकने के लिए अब पर्यावरण संरक्षण पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए।

संघ प्रमुख 75 में सेवानिवृत्ति के पक्ष में, तो मोदी क्यों अपवाद!

-अजय कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में नागपुर में एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान तल्ख टिप्पणी की कि 75 वर्ष की आयु पूरी होने पर नेताओं को सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए और नई पीढ़ी को अवसर देना चाहिए। यह बयान उन्होंने दिवंगत आरएसएस विचारक मोरोपंत पिंगले के हवाले से दिया, जिन्होंने कथित तौर पर कहा था कि 75 वर्ष की आयु में शॉल ओढ़ाए जाने का अर्थ है कि व्यक्ति को अब रुक जाना चाहिए और दूसरों को आगे आने देना चाहिए। भागवत का यह बयान, जो सामान्य प्रतीत होता है, ने भारतीय राजनीति में तीव्र चर्चा को जन्म दिया है, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्वयं भागवत, दोनों सितंबर 2025 में 75 वर्ष के हो जाएंगे। इस बयान ने विपक्षी दलों को यह सवाल उठाने का अवसर दिया कि क्या यह टिप्पणी मोदी के लिए एक सूक्ष्म संदेश है या यह केवल एक सामान्य वैचारिक सिद्धांत की पुनरावृत्ति है।

सबसे पहले बता दें भागवत का यह बयान कोई नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसी तरह की टिप्पणी की थी, लेकिन तब उन्होंने स्पष्ट किया था कि नरेंद्र मोदी इस नियम से अपवाद हैं, क्योंकि उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रासंगिकता असाधारण है। इस बार, हालांकि, भागवत ने ऐसा कोई अपवाद स्पष्ट नहीं किया, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या उनका दृष्टिकोण बदल गया है। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और आरएसएस के बीच संबंधों को लेकर चर्चा को हवा देता है। बीजेपी, जो आरएसएस की वैचारिक शाखा मानी जाती है, में पहले भी 75 वर्ष की आयु सीमा का अनौपचारिक नियम रहा है, जिसके तहत लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और जसवंत सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को सक्रिय राजनीति से हटाकर मार्गदर्शक मंडल में शामिल किया गया था। लेकिन नरेंद्र मोदी के मामले में इस नियम को लागू करने की संभावना पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि उनकी लोकप्रियता, वैश्विक कद, और पार्टी पर पकड़ अभी भी मजबूत है।

भागवत का यह बयान विपक्षी दलों के लिए एक सुनहरा अवसर बन गया है। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि यह बयान मोदी के लिए एक 'घर वापसी' का संदेश है, और शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने इसे सीधे तौर पर मोदी के लिए संदेश के रूप में व्याख्या की। राउत ने यह भी उल्लेख किया कि मोदी ने स्वयं इस आयु सीमा के नियम को लागू किया था, और अब यह देखना बाकी है कि क्या वह इसे स्वयं पर लागू करेंगे। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने भी पिछले साल इस मुद्दे को उठाया था, जब उन्होंने भागवत को पत्र लिखकर पूछा था कि क्या वह बीजेपी के इस नियम से सहमत हैं, जिसके तहत 75 वर्ष से अधिक आयु के नेताओं को सेवानिवृत्त किया जाता है। विपक्ष की यह रणनीति स्पष्ट रूप से बीजेपी और आरएसएस के बीच संभावित मतभेदों को उजागर करने की कोशिश है, ताकि सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार पैदा की जा सके।

हालांकि, बीजेपी ने इस बयान को खारिज करते हुए कहा है कि पार्टी के संविधान में 75 वर्ष की आयु सीमा का कोई औपचारिक नियम नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मई 2023 में स्पष्ट किया था कि मोदी 2029 तक नेतृत्व करते रहेंगे, और सेवानिवृत्ति की अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस दावे का खंडन किया कि भागवत का बयान मोदी के लिए था, और इसे सामान्य टिप्पणी बताया। यह स्पष्ट है कि बीजेपी इस मुद्दे को दबाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि मोदी की लोकप्रियता और नेतृत्व पार्टी के लिए अभी भी अपरिहार्य हैं। दूसरी ओर, भागवत का बयान स्वयं उनके लिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि वह भी 75 वर्ष के हो रहे हैं। आरएसएस में कोई औपचारिक सेवानिवृत्ति की आयु सीमा नहीं है, और पिछले सरसंघचालकों ने तब तक पद संभाला, जब तक उनकी शारीरिक स्थिति अनुमति देती थी। उदाहरण के लिए, राज्जू भैया और के.एस. सुदर्शन ने 78 वर्ष की आयु में स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा, जबकि बालासाहेब देवरस 79 वर्ष तक सरसंघचालक रहे। इस संदर्भ में, भागवत का बयान उनके अपने भविष्य के बारे में भी सवाल उठाता है। क्या वह स्वयं इस सिद्धांत का पालन करेंगे, या यह केवल एक वैचारिक टिप्पणी थी? आरएसएस के सूत्रों ने इस बयान को हल्का करने की कोशिश की है, यह कहते हुए कि यह केवल पिंगले के हास्यप्रिय स्वभाव को दशार्ने वाली कहानी थी, न कि कोई नीतिगत सुझाव। इस बयान का समय भी महत्वपूर्ण है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब आरएसएस अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है, और बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुटी है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान आरएसएस और बीजेपी के बीच शक्ति संतुलन को लेकर एक सूक्ष्म संदेश हो सकता है। 2024 के चुनावों से पहले भी दोनों संगठनों के बीच कुछ तनाव की खबरें थीं, विशेष रूप से जब बीजेपी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा था कि बीजेपी को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। भागवत के इस बयान को कुछ लोग आरएसएस की वैचारिक प्रभुता को पुनः स्थापित करने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। इसके अलावा, यह बयान भारतीय राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन और उत्तराधिकार के व्यापक सवाल को भी उठाता है। बीजेपी में मोदी के बाद नेतृत्व की दौड़ में अमित शाह, नितिन गडकरी, और देवेंद्र फडणवीस जैसे नाम उभर रहे हैं। भागवत का बयान, चाहे वह सामान्य हो या लक्षित, इस चर्चा को और हवा देता है कि क्या बीजेपी में अब एक नई पीढ़ी को तैयार करने का समय आ गया है। हालांकि, मोदी की वैश्विक छवि और पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ को देखते हुए, उनके सेवानिवृत्त होने की संभावना कम लगती है, जब तक कि वह स्वयं इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाते।

लब्बोलुआब यह है कि मोहन भागवत का यह बयान एक साधारण वैचारिक टिप्पणी से कहीं अधिक है। यह न केवल बीजेपी और आरएसएस के बीच संबंधों की जटिलता को दशार्ता है, बल्कि भारतीय राजनीति में उम्र, नेतृत्व, और उत्तराधिकार जैसे मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। विपक्ष इसे एक अवसर के रूप में देख रहा है, जबकि बीजेपी इसे खारिज करने की कोशिश कर रही है। भागवत का यह बयान, चाहे वह सामान्य हो या लक्षित, भारतीय राजनीति में एक नए विमर्श को जन्म दे चुका है, और इसका प्रभाव आने वाले महीनों में और स्पष्ट होगा।

जब छात्र हत्यारे बन जाएं: चेतावनी का वक्त

-प्रियंका सौरभ

संवाद का अभाव, संस्कारों की हार, स्कूलों में हिंसा समाज की चुप्पी का फल

हिसार में शिक्षक जसवीर पातू की निर्मम हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना कोई साधारण आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह हमारे गिरते नैतिक मूल्यों, संवादहीन परिवार व्यवस्था, और संवेदनहीन शिक्षा प्रणाली का कठोर दर्पण है। जब एक छात्र ही अपने शिक्षक का हत्यारा बन जाए, तो यह केवल व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का पतन है।

आज विद्यालय शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि हिंसा, डर और असुरक्षा का केंद्र बनते जा रहे हैं। शिक्षक, जो कभी मयार्दा, संयम और अनुशासन के प्रतीक माने जाते थे, अब अपने ही छात्रों से भयभीत रहने लगे हैं। क्या यही है आधुनिक शिक्षा की सफलता? क्या इसी दिन के लिए हमने विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं और डिजिटल पठन-पाठन का विस्तार किया था?

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि हमारे बच्चे इतने क्रूर कैसे हो गए? उनके भीतर सहनशीलता, करुणा और विवेक की जगह गुस्सा, हिंसा और प्रतिशोध ने क्यों ले ली है? इसका उत्तर हमें विद्यालयों या सरकार से नहीं, बल्कि अपने घरों और आत्मचिंतन में खोजना होगा।

आज का बच्चा मोबाइल की स्क्रीन में दुनिया ढूंढ रहा है। माता-पिता उसके पास होते हुए भी उसकी दुनिया से दूर हैं। भोजन करते समय, यात्रा करते समय या घर पर बैठते समय भी वह किसी वीडियो, खेल या आभासी मित्र के साथ जुड़ा होता है। उसका वास्तविक जीवन धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और वह एक कृत्रिम आक्रोशपूर्ण दुनिया में जी रहा है।

विद्यालयों में नैतिक शिक्षा अब केवल पुस्तकों तक सीमित रह गई है। 'सत्य', 'अहिंसा', 'क्षमा' जैसे शब्द अब पाठ्यपुस्तकों की शोभा बनकर रह गए हैं। न शिक्षक के पास समय है, न पालकों के पास धैर्य, और न समाज के पास कोई दिशा। बच्चों के भीतर जो आक्रोश पनप रहा है, वह इसी उपेक्षा और संवादहीनता की उपज है। मन के भीतर जब दर्द, कुंठा और अस्वीकार का जहर भरता है, तो वह या तो आत्मघात की ओर ले जाता है या फिर हत्या की ओर। और जब यह जहर एक किशोर के भीतर भर जाए, तो परिणाम वही होता है जो हमने जसवीर पातू की हत्या के रूप में देखा।

मनोरोग विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि किशोरों में बढ़ती हिंसा का कारण संवाद की कमी है। वे अपनी बात कहने, गलतियों को साझा करने, और मदद मांगने में संकोच करते हैं। माता-पिता अक्सर बच्चों को डांटते हैं या नकारते हैं, जिससे बच्चा आंतरिक रूप से विद्रोही बनता चला जाता है। विद्यालय में भी उसे एक अंक, एक परीक्षा, एक प्रदर्शन से ही मापा जाता है। उसके मनोभावों, उसकी मानसिक स्थिति और उसके व्यवहार पर कोई ध्यान नहीं देता। क्या हम यह भूल गए हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री दिलवाना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है? और चरित्र निर्माण तब तक संभव नहीं जब तक शिक्षक और विद्यार्थी के बीच विश्वास न हो, माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद न हो, और समाज के भीतर मूल्य आधारित सोच का विस्तार न हो।

प्रशासन की भूमिका पर भी प्रश्नचिन्ह लगते हैं। जब तक कोई घटना नहीं होती, तब तक सब कुछ सामान्य माना जाता है। लेकिन जब कोई शिक्षक मारा जाता है, तब ज्ञापन दिए जाते हैं, धरने होते हैं, और कुछ समय बाद फिर सब भुला दिया जाता है। यही चक्र लगातार दोहराया जा रहा है। शिक्षक अब अपने सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रशासन से गुहार कर रहे हैं। विद्यालय संचालक बोर्ड अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लेकिन क्या केवल कार्रवाई से यह समस्या सुलझ जाएगी? हमें मूल में जाकर देखना होगा कि बच्चों के मन में यह हिंसा कैसे जन्म लेती है।

हमारे विद्यालयों में मानसिक परामर्शदाता होना चाहिए, प्रत्येक छात्र की मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, परिवारों को बच्चों के साथ संवाद का प्रशिक्षण देना चाहिए। विद्यालयों में केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं, जीवन के लिए तैयार करने की भी आवश्यकता है। आज आवश्यकता है एक ररसंवाद पुनरुद्धार अभियानरर की, जो घर-घर तक पहुंचे। हमें माता-पिता, शिक्षक और छात्र – इन तीनों के बीच विश्वास और सहअस्तित्व की भावना को पुनः जागृत करना होगा। अगर हम बच्चों से सुनना नहीं चाहेंगे, तो वे हिंसा से बोलना सीख जाएंगे। शिक्षक अब अपने अधिकारों और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह स्थिति शर्मनाक है। एक समाज जो अपने गुरु को सम्मान नहीं दे सकता, वह कभी समृद्ध नहीं हो सकता। अगर हमने अब भी नहीं समझा कि यह शिक्षक की नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी की हत्या है, तो वह दिन दूर नहीं जब हर विद्यालय एक युद्धभूमि बन जाएगा।

> हिसार में शिक्षक जसवीर पातू की हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि हमारे समाज की संवादहीनता, विफल शिक्षा व्यवस्था और गिरते नैतिक मूल्यों का कठोर प्रमाण है। आज का किशोर मोबाइल की आभासी दुनिया में जी रहा है, जबकि घर और विद्यालय दोनों में उपेक्षित है। मानसिक तनाव, संवाद की कमी और नैतिक शिक्षा के अभाव ने उसे असंवेदनशील बना दिया है। यह घटना एक चेतावनी है कि यदि अब भी हम माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर समाधान नहीं खोजे, तो शिक्षा का भविष्य गहरे संकट में है।

हमें यह समझना होगा कि बच्चे गलत नहीं होते, वे केवल अनसुने होते हैं। अगर वे प्यार, समझ और सही दिशा पाएँ तो वही बच्चा दुनिया बदल सकता है। परंतु अगर वह उपेक्षा, अस्वीकार और हिंसा का शिकार बने तो वही बच्चा एक शिक्षक का हत्यारा भी बन सकता है। सरकार को चाहिए कि वह विद्यालयों में नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, संवाद सत्र, और अभिभावक-शिक्षक सम्मेलनों का आयोजन करवाए। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को केवल आज्ञा न दें, बल्कि उनकी बातें भी सुनें। और समाज को चाहिए कि वह शिक्षा को केवल नौकरी पाने का माध्यम न माने, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार नागरिक बनाने की प्रक्रिया के रूप में देखे।

यह घटना हमें नींद से जगाने आई है। यह कोई समाचार पत्र की एक खबर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक चेतावनी है। अगर हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाले वर्षों में हमारे विद्यालयों में पुस्तकों से अधिक हथियार मिलेंगे, और शिक्षकों से अधिक सुरक्षा कर्मी। आज भी समय है कि हम इस चेतावनी को गंभीरता से लें। हम संवाद को पुनर्जीवित करें, शिक्षा को पुनरर्थित करें, और अपने बच्चों को हिंसा से नहीं, समझ से जीतना सिखाएं। तभी हम एक सुरक्षित, संवेदनशील और सशक्त भारत की कल्पना कर सकेंगे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जि.प. पालघर ने तलासरी पंचायत समिति का किया दौरा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने 10 जुलाई 2025 को पंचायत समिति, तलासरी का दौरा कर विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति और लाभार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

इस दौरे के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, जल जीवन मिशन, मनरेगा और घरकुल योजना जैसे प्रमुख विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। 'निपुण भारत' अभियान के तहत विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की भी विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जिला परिषद विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए चल रहे उपक्रमों की सराहना की। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति, महिला बचत समूहों के कार्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यक्षमता और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर भी विस्तृत चर्चा की गई। गांव स्तर पर सौर ऊर्जा के अधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने का भी उन्होंने आह्वान किया। उन्होंने कहा, ‍नवीन तकनीक का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है ‍ दौरे के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सीधे संवाद कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) चंद्रशेखर जगताप, मनरेगा के अतुल पारसकर, समूह विकास अधिकारी डॉ. वैभव सापले, समूह शिक्षा अधिकारी निमिष मोहिते सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

घाटकोपर स्थित पुणे विद्या भवन स्कूल के 89 छात्रों को छात्रवृत्ति

मुंबई। महाराष्ट्र परीक्षा परिषद, पुणे ने फरवरी 2025 में प्री-अपर प्राइमरी आदि कक्षा 5वीं और प्री-सेकेंडरी आदि कक्षा 8वीं के छात्रों के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (एनएमएमएस) परीक्षा आयोजित की थी। इसमें, पुणे विद्यार्थी गृह संस्था के घाटकोपर स्थित पुणे विद्या भवन स्कूल के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के कुल 89 छात्रों ने विद्यालय की शानदार सफलता की परंपरा को जारी रखते हुए यह छात्रवृत्ति प्राप्त की है। इसमें कक्षा 5 के मराठी माध्यम (अर्ध-अंग्रेजी) के 14 छात्रों और अंग्रेजी माध्यम के 26 छात्रों को छात्रवृत्ति मिली है। कक्षा 8 के मराठी माध्यम के 12 छात्रों और अंग्रेजी माध्यम के 37 छात्रों को छात्रवृत्ति मिली है। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र बोराडे ने इन सभी सफल छात्रों और उनका मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को बधाई दी और छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जेलियो ई मोबिलिटी ने Eeva का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया

मुंबई। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में से एक जेलियो ई मोबिलिटी ने अपने पॉपुलर लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर ए़ी५ के नए फेसलिफ्ट मॉडल को ऑफिशियली लॉन्च कर दिया है। Eeva 2025 को आज के शहरी जीवन के हिसाब से नए सिरे से डिजाइन किया गया है। इसमें अब पहले से बेहतर परफॉर्मेंस, ज्यादा कोम्फेर्ताब्ले राइडिंग एक्सपीरियंस और जरूरी फीचर्स दिए गए हैं, खासतौर पर स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और डिलीवरी जैसे गिग वर्कर्स के लिए यह सबसे बढ़िया ऑप्शन है। यह स्कूटर जेलियो की उस सोच को दशार्ता है जिसमें वो लोगों को सस्ता, स्मार्ट और सिटी-फ्रेंडली इलेक्ट्रिक व्हीकल देना चाहते हैं।

नई Eeva तीन वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिन्हें सिटी राइड की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। लिथियम-आयन बैटरी वेरिएंट्स 60V/30AH 90 किमी रेंज के साथ रु. 64000 में 74V/32AH 120 किमी रेंज के साथ रु. 69,000 उपलब्ध होगी। जेल बैटरी वेरिएंट्स 60V/32AH 80 किमी रेंज के साथ रु. 50000 में और 72V/42AH 100 किमी रेंज के साथ 54000 में उपलब्ध होगी।

फेसलिफ्टेड Eeva की टॉप स्पीड 25 किमी/घंटा है और यह एक बार फुल चार्ज पर 120 किलोमीटर तक चल सकती है। इसे खासतौर पर सस्ती और भरोसेमंद शहरों में चलने वाली इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए तैयार किया गया है। यह स्कूटर 60V/72V के हाई-परफॉर्मेंस BLDC मोटर से चलता है, जो एक बार फुल चार्ज में सिर्फ 1.5 यूनिट बिजली की खपत करता है। इसमें अब 150 मिमी का बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस, 85 किलोग्राम का ग्रॉस वजन और 150 किलोग्राम तक का पेलोड कैपेसिटी दी गई है, जिससे यह रोजाना की सवारी के लिए एकदम सही बन जाता है। चार्जिंग टाइम की बात करें तो लिथियम-आयन बैटरी वेरिएंट को पूरा चार्ज होने में लगभग 4 घंटे लगते हैं जबकि जेल बैटरी वेरिएंट को पूरा चार्ज होने में 8 से 10 घंटे लगते हैं। जेलियो ई मोबिलिटी के को-फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कुणाल आर्य ने कहा, Eeva हमारे सबसे ज्यादा बिकने वाले स्कूटर में से एक है और देशभर में रोजाना सफर करने वालों की पसंद बना हुआ है। 2025 के इस नए मॉडल में हमने उन फीचर्स को और बेहतर बनाया है जो हमारे राइडर्स के लिए सबसे जरूरी हैं, जैसे आराम, सुरक्षा और स्मार्ट सुविधाएं। साथ ही, हमने इसे फिर भी सस्ती और शहर में चलाने के लिए एकदम सही रखा है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह अपडेट हमारी उस सोच को दिखाता है जिसमें हम लोगों को आसान, टिकाऊ और भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी देना चाहते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि हमारे कस्टमर्स नए ए़ी५ को भी पहले से ज्यादा प्यार देंगे, क्योंकि यह भरोसे और परफॉर्मेंस दोनों में खरा उतरता है।

नई फेसलिफ्टेड Eeva को सुरक्षित और भरोसेमंद सवारी के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। इसमें आगे और पीछे दोनों पहियों में ड्रम ब्रेक दिए गए हैं। स्कूटर में 90/90-12 साइज के टायर लगे हैं, जो 12 इंच के पहियों पर फिट होते हैं। इसके हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर सड़क के गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्तों पर भी राइड को आरामदायक बनाते हैं। Eeva 2025 में कई स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे-डिजिटल स्क्रीन, दिन में जलने वाली लाइट , बिना चाबी से स्टार्ट होने वाला सिस्टम (की-लेस ड्राइव), चोरी से बचाने वाला अलार्म (एंटी-थेफ्ट अलार्म), पार्किंग गियर, वरइ चार्जिंग पोर्ट, सवारी के लिए अलग फुटरेस्ट। यह स्कूटर उन्हीं कलर्स में आता है जैसे पहले वाला मॉडल- ब्लू, ग्रे, व्हाइट और ब्लैक, ताकि पुराने यूजर्स को इसका लुक जाना-पहचाना लगे, लेकिन नया एक्सपीरियंस भी मिले।

शिक्षा विभाग में व्याप्त महाभ्रष्टाचार की संजय उपाध्याय ने खोली पोल

BMC शिक्षणाधिकारी संदीप संगवे निलंबित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा विभाग को सबसे पवित्र विभाग माना जाता है, क्योंकि यह देश का भविष्य कहे जाने बच्चों की शिक्षा से जुड़ा विभाग है। परंतु जिस तरह से शिक्षा विभाग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है, वह बेहद चिंताजनक है। बोरीवली के भाजपा विधायक ने गुरु पूर्णिमा के दिन महाराष्ट्र के विधानसभा में शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर ऐसा करार प्रहार किया कि शिक्षा मंत्री दादा भुसे को आखिरकार मुंबई महानगरपालिका के भ्रष्ट शिक्षणाधिकारी संदीप संगवे को निलंबित कर भ्रष्टाचार की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) के गठन की घोषणा करनी पड़ी। विधायक संजय उपाध्याय ने विधानसभा में शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि या बेहद शर्म की बात है कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय शिक्षण उपसंचालक के पद पर 13 साल तक लगातार काबिज रहा संगवे शाला आईडी के नाम पर खुलकर भ्रष्टाचार करता रहा, स्कूलों को बैक डेट में मान्यता देकर सरकार की तिजोरी खाली करता रहा, शैक्षणिक मानक ना होने के बावजूद स्कूलों को मान्यता देता रहा और शिक्षा विभाग चुपचाप देखता रहा। उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय द्वारा 3 लाख 30 हजार रुपए का दंड लगाने के बावजूद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। संजय उपाध्याय ने कहा कि संगवे के खिलाफ 20 से अधिक गंभीर मामले हैं, जिसकी शक्ति से जांच की जानी चाहिए। संजय उपाध्याय की मांग पर शिक्षा मंत्री तीन बार, जांच करवाता हूं का उत्तर देते रहे। परंतु जब संजय उपाध्याय की मांग के समर्थन में भाजपा विधायक रणधीर सावरकर, मिहिर कोटेजा, प्रवीण दटके,प्रताप अडसड, गोपीचंद पडलकर तथा शिवसेना यूबीटी के विधायक वरुण सरदेसाई, कैलाश पाटिल तथा अन्य विधायक भी सामने आए तो शिक्षा मंत्री दादा भुसे को संदीप संगवे को तत्काल निलंबित कर एसआईटी जांच की घोषणा करनी पड़ी।

पालघर जिला परिषद द्वारा डॉ. कृणाल सोनावणे पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई

स्वास्थ्य जांच शिविर में गैरहाजिरी पर सख्त कदम

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद ने स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा कदम उठाया है। सरावली, तहसील डहाणू में गर्भवती महिलाओं के लिए आयोजित विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर, डॉ. कृणाल सोनावणे की गैरहाजिरी का मामला अब भारी पड़ गया है।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के निर्देश पर डॉ. कृणाल सोनावणे की सेवा समाप्त कर दी गई है। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत जांच के आदेश दिए थे। तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने गहन जांच कर अपनी रिपोर्ट जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी को सौंपी। जांच रिपोर्ट में डॉ. सोनावणे की लापरवाही और सेवा में गंभीर चूक साबित होने के बाद यह सख्त कार्रवाई की गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की मंजूरी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल प्रभाव से डॉ. सोनावणे की सेवा समाप्त करने का आदेश जारी किया। जिला परिषद के इस कड़े फैसले से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

सड़कों की दुरुस्ती को लेकर अमित दुबे ने की आयुक्त से मुलाकात

वसई (उत्तरशक्ति)। पवित्र श्रावण मास का शुभारंभ हो चुका है। इस महीने में कावड़ यात्रा, दहीहंडी, गणपति आगमन, गणपति विसर्जन जैसे हिंदू त्योहारों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला सचिव अमित ओमप्रकाश दुबे ने वसई विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त अनिल पवार से मुलाकात कर महानगरपालिका के अंतर्गत वाली सभी सड़कों को अभी से ही दुरुस्त कराने का निवेदन पत्र दिया। आयुक्त ने तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़कों की दुरुस्ती करने का निर्देश दिया और जल्द से जल्द काम पूरा करने का आश्वासन दिया।

मुंबई में हुआ रियल एस्टेट क्षेत्र का भव्य आयोजन

मुंबई(उतरशक्ति)। 5 जुलाई 2025 को मुंबई के विले पार्ले स्थित जिंजर होटल में ‍रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025‍ का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में नवाचार, दूरदर्शिता और उत्कृष्ट नेतृत्व को सम्मानित करना था।

इस कार्यक्रम का आयोजन स्पेसमीडिया के संस्थापक सुशील वैश्य के नेतृत्व में हुआ, जिसमें रियल्टी क्वार्टर के पवन चौहान और शाइस्ता अंसारी सह-आयोजक रहे। कार्यक्रम को शुभ बंसल का भी सहयोग मिला। सम्मेलन में देशभर से रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रमुख दिग्गज और उभरते सितारे शामिल हुए। प्लैटिनम कॉर्प और अवनी लैंड डिवेलपर्स सह-प्रायोजक रहे, जबकि आईडीएफसी बैंक, सेंसेशन इंफ्राकॉन और सिद्धिविनायक प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स सहयोगी भागीदार के तौर पर जुड़े। टिकट्स99 टिकटिंग पार्टनर, सुपर वीमेन गिफ्टिंग पार्टनर, जीलो मर्चेंडाइज पार्टनर और एवेत्रा मार्केटिंग पार्टनर रहे। कार्यक्रम में न केवल पुरस्कार वितरण हुआ, बल्कि अनुभवी विशेषज्ञों और उद्यमियों ने अपने अनुभव और विचार भी साझा किए। मंगेश तांडले, कविता अड़े, भविष्य गुप्ता और धवल हसोर्रा ने अपने प्रोजेक्ट्स और सफलता की रणनीतियों को मंच से साझा किया। कार्यक्रम में ‍रियल एस्टेट और सेकेंड होम्स में निवेश‍ विषय पर एक विशेष पैनल चर्चा भी आयोजित हुई, जिसका संचालन सिद्धांत ठाकुर ने किया। इस चर्चा में भविष्य गुप्ता, कविता अड़े, मयुरेश परब, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे और रफीक मर्चेंट शामिल हुए। सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध लेखक और चाणक्य नीति विशेषज्ञ राधाकृष्णन पिल्लै का विशेष प्रशिक्षण सत्र रहा। उन्होंने प्राचीन भारतीय रणनीतियों को आधुनिक नेतृत्व से जोड़ते हुए उपस्थित लोगों को गहराई से प्रेरित किया। सम्मेलन में संपादक दिलशाद एस. खान, अजय एल. दुबे, संजय तिवारी, धिरेन्द्र सिंह, रोहन दूबे, प्लैटिनम कॉर्प, भविष्य गुप्ता, सिद्धिविनायक प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स, कविता अड़े, संतोष हस्तोकर, मयुरेश परब, मनीष छेड़ा, विकास सिंह, ज्योति गायकवाड़, विशाल बाबर, अभिजीत होडगे, सागर रमैया, अजीत सिंह, केतन लाड, प्रह्लाद सिंह पटेल, जश झवेरी, अंकुज तोरका, अपूर्वा पारिख, नितीश जायसवाल, सागर कोठावडे, संजय मोहनराज, सागर विसावाडिया, राहुल जाधव, शकील पटेल, रणजीत सिंह राठौड़, सत्य गिरी, जितेश, भरत आचार्य, रीना एलेक्स डिसूजा, धवल शाह और राहुल सोलंकी को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में राधाकृष्णन पिल्लै, पवन चौहान, शिवा, किरण गोलानी, अनुज चोमल, भगूराम सावंत, अल्पेश शाह, जयेश जोशी, आशीष लोढ़ा, विभा पात्रा, सिद्धांत ठाकुर समेत अनेक गणमान्य अतिथियों को सम्मानित किया गया।

राकांपा चांदिवली तालुका की ओर से पवई उद्यान में वृक्षारोपण का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बरसात के इस मौसम में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए मुंबई उपनगर में पेड़ पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी उत्तर मध्य मुंबई जिला चांदीवली तालुका अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने पवई गणेश घाट, उद्यान में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे के 70वे जन्मदिन के अवसर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के तौर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी उत्तर मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष अरशद अमीर उपस्थित थे। इसके अलावा वार्ड नंबर 156के अध्यक्ष फरीद सिद्दीकी, सामाजिक न्याय के तालुका अध्यक्ष सचिन वाकोडे, वार्ड नंबर 162के अध्यक्ष संतोष गवली, जिला सचिव असलम शेख, फहीम खान सहित बड़ी संख्या में युवक कार्यकर्ता उपस्थित थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुरेंद्र सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आज वृक्षारोपण करना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा आए दिन बड़े पैमाने पर संस्थाओं और राजनीतिक दलों की ओर से वृक्षारोपण किया जाता है। किंतु पेड़ लगा देने से ही हमारी जिम्मेदारी नहीं खत्म होती बल्कि लगाए हुए पेड़ो को जिंदा रखने के लिए उनकी देखभाल करना अत्यंत जरूरी है।

नीला सोन्स द्वारा आयोजित गुरुपूर्णिमा महोत्सव में पहुंचे महामंडलेश्वर कैलाश पुरी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर की पूर्व नगरसेविका नीला सोन्स द्वारा मीरा रोड के पूनम गार्डन परिसर में स्थित भगवान श्री परशुराम वाहन स्थल मैं श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप पहुंचे महामंडलेश्वर कैलाश पुरी ने उपस्थित जन समुदाय को घर में प्रेम का वातावरण बनाए रखने तथा वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। विश्व के 27 देशों में पुरस्कृत कैलाशपुरी ने गुरु पूर्णिमा पर शानदार आयोजन के लिए नीला सोन्स को आशीर्वाद देते हुए कहा कि गुरुओं के प्रति उनके सम्मान और श्रद्धा की भावना अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान श्री परशुराम वाहनस्थल के आकर्षण नामफलक का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उद्घाटन किया गया। सुप्रसिद्ध भजन गायक राजेश मिश्रा ने गुरु वंदना के साथ कई भजन प्रस्तुत किए। महिला कलाकारों द्वारा गुरु वंदना तथा महाभारत पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया गया। परिसर में स्थित 40 से अधिक मंदिरों के पुजारियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में शनि मंदिर के महंत शास्त्री सुरेश ओझा, डॉ राधेश्याम तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी दिनेशचंद्र उपाध्याय, पंडित कमलाशंकर मिश्रा , उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह, भवन निमार्ता सुरेंद्र उपाध्याय, समाजसेवी सत्येंद्र शर्मा, महामंत्री कमलेश दुबे, प्राचार्य सुरेश मिश्रा, जटाशंकर पांडे, नगरसेविका सुमन कोठारी, परशुराम सेना के राष्ट्रीय संरक्षक अरविंद उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट डीके पांडे, एडवोकेट प्रथमेश शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार राजदेव तिवारी, आचार्य गुलाबधर पांडे, विवेक उपाध्याय, सुषमा मिश्रा, रेनू दुबे, ज्ञानू मिश्रा, पत्रकार महेंद्र पांडे, समाजसेवी अरुण तिवारी, अमरनाथ तिवारी, जयदयाल शुक्ला, साहबदीन पांडे आदि का समावेश रहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। अंत में नीला सोन्स ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

चर्मोद्योग महामंडल के बकाए कर्ज को माफ करने की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चर्मोद्योग महामंडल के संपूर्ण बकाए कर्ज को माफ करने के लिए राज्य के चर्मकार समाज के लोगों ने गुरुवार को मुंबई के आजाद मैदान में सांकेतिक आंदोलन करके सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। उक्त आंदोलन चर्मकार एक्य परिषद के अध्यक्ष संजय खामकर के नेतृत्व में हुआ।

बता दें कि राज्य में लगभग 60 लाख चर्मकार समाज के लोग हैं।

इस समाज की ओर से सरकार से विभिन्न मांगें की गई हैं। लेकिन कई वर्षों से उन मांगो पर अमल नहीं हुआ है। महाराष्ट्र में संत रविदास महाराज की जयंती पर सरकारी अवकाश घोषित किया जाए।मध्य प्रदेश सरकार की ओर से 100 करोड़ रुपये देकर सागर में संत रविदास महाराज का स्मारक बनवा रही है। इसी तर्ज पर महाराष्ट्र में भी संत रविदास महाराज का एक स्मारक (विश्वविद्यालय) बनाया जाए। जिला और तालुका स्तर पर संत रविदास महाराज का स्मारकऔर विकास केंद्र स्थापित किया जाए।

बजट सत्र में देवनार (मुंबई) में एक आधुनिक लेदर पार्क की स्थापना को मंजूरी देने की घोषणा की गई है।इस प्रकल्प का काम जल्द से जल्द शुरू करने की मांग की गई। आंदोलन में प्रमुख रूप से मुंबई जिला अध्यक्ष सुभाष मराठे, राज्य कार्याध्यक्ष वसंत धोडवे, महासचिव चंद्रप्रकाश देगलुरकर, प्रियंका गाजरे, पूजा कांबले, अशोक कांबले , सुवर्णा डोईफोड़े , केरबा कसारे, प्रकाश गायकवाड़ सहित अन्य कई लोग विरोध प्रदर्शन शामिल थे।

सेंट्रल मुंबई की पहली 5G-इनेबल्ड एडवांस्ड एम्बुलेंस सेवा शुरू

मुंबई। सेंट्रल मुंबई में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। रेड हेल्थ और डॉ. एल.एच. हीरानंदानी हॉस्पिटल, पवई ने मिलकर शहर की पहली 5जी-चालित एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस सेवा शुरू की है। रेड हेल्थ एशिया की एकमात्र जेसीआई-मान्यता प्राप्त और भारत की सबसे बड़ी आपातकालीन चिकित्सा सेवा है। इस सेवा का शुभारंभ श्री प्रदीप चव्हाण, उपायुक्त पुलिस (ट्रैफिक -पूर्वी विभाग) ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर रेड हेल्थ के संस्थापक और सीईओ श्री प्रभदीप सिंह, डॉ. एल.एच. हीरानंदानी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. समीर कुलकर्णी और डॉ. हीरानंदानी हॉस्पिटल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह अत्याधुनिक एम्बुलेंस सेवा तेज 5जी नेटवर्क की मदद से मरीजों की हालत से जुड़ी अहम जानकारी तुरंत डॉक्टरों तक पहुंचाती है। इससे वीडियो कॉल पर विशेषज्ञों से संपर्क करना आसान होता है और अस्पतालों व इमरजेंसी टीमों के बीच बेहतर तालमेल बनता है। लॉन्च के मौके पर रेड हेल्थ के संस्थापक और सीईओ श्री प्रभदीप सिंह ने कहा, आज मुंबई की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। सेंट्रल मुंबई में पहली 5जी-चालित एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत एक बड़ी उपलब्धि है। अक्सर जब कोई मेडिकल इमरजेंसी आती है, तो लोग घबरा जाते हैं– किसे बुलाएं, क्या करें, कुछ समझ नहीं आता। ऐसे वक्त में सही इलाज की शुरूआत में देरी हो सकती है। लेकिन अब इस नई और तकनीकी रूप से उन्नत सेवा के जरिए हमें उस गोल्डन आवर' का सही उपयोग करने का मौका मिलेगा, जो किसी भी मरीज की जान बचाने में निर्णायक साबित हो सकता है।

डॉ. एल.एच. हीरानंदानी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. समीर कुलकर्णी ने कहा, ३हम गर्व से कह सकते हैं कि हमने सेंट्रल मुंबई में पहली 5जी-इनेबल्ड एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा शुरू की है, जो इमरजेंसी मेडिकल केयर के तरीके को पूरी तरह बदलने जा रही है। अक्सर भारी ट्रैफिक की वजह से समय पर अस्पताल पहुंचना एक चुनौती बन जाता है, और ऐसे में गोल्डन आवर' यानी वह शुरूआती एक घंटा बेहद कीमती होता है। अगर इस वक्त में सही इलाज मिल जाए, तो मरीज की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

श्री प्रदीप चव्हाण, उप पुलिस आयुक्त, मुंबई (ट्रैफिक ‍ पूर्वी प्रभाग) ने कहा, सेंट्रल मुंबई के लोग आपात स्थिति में हम पर भरोसा करते हैं। हमारा उद्देश्य यही है कि जरूरत के वक्त मरीजों को तुरंत और सही इलाज मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि, डॉ. एल.एच. हीरानंदानी अस्पताल और रेड हेल्थ ने सेंट्रल मुंबई में पहली 5जी- सक्षम एम्बुलेंस सेवा शुरू करके एक सराहनीय पहल की है। यह सेवा आम लोगों की भलाई के लिए शुरू की गई है ताकि आपात स्थिति में समय रहते बेहतर इलाज मिल सके। सड़क दुर्घटनाओं जैसे मामलों में मरीज को जल्दी से अस्पताल पहुंचाना बेहद जरूरी होता है। मैं इस अत्याधुनिक और पूरी तरह सुसज्जित एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत के लिए डॉ. हीरानंदानी अस्पताल और रेड हेल्थ को बधाई देता हूं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

चेन पुलिंग कर ट्रेन पर पथराव करने के 10 आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला, यात्रियों में मची थी अफरा-तफरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कटवार हाल्ट पर चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकने और उस पर ईंट-पत्थर बरसाकर यात्रियों में दहशत फैलाने वाले 10 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी कतार में खड़े होकर अपने किए पर शर्मिंदा दिखे और माफी मांगते नजर आए। घटना 9 जुलाई की है, जब जौनपुर से रायबरेली जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस जैसे ही कटवार हाल्ट के समीप पहुँची, कुछ युवकों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन को जबरन रोक दिया। ट्रेन में सवार कुछ लड़कों की पहचान होने पर अभियुक्त रोहित यादव और सौरभ यादव ने अपने साथियों को फोन कर मौके पर बुलाया। ये सभी अभियुक्त एक पुराने विवाद की रंजिश में संबंधित युवकों की तलाश में ट्रेन में चढ़ गए।बताया गया है कि यह रंजिश मई महीने में राजाबाजार बनकट में एक बारात के दौरान हुए विवाद से जुड़ी थी। जब यात्रियों ने इस हरकत का विरोध किया तो आरोपियों ने ईंट-पत्थर से हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से यात्रियों में भगदड़ मच गई।कई शीशे टूट गए और जन-धन की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। पुलिस ने वायरल वीडियो और गुप्त सूचना के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए सभी दस अभियुक्तों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रोहित यादव, शशिकांत यादव, अखिलेश यादव, आशु यादव, सागर बिंद, शुभम मौर्य, कृष्णा यादव, संकेत पाल, प्रिंस बिंद और पवन यादव शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थाना बरसठी के प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, निरीक्षक अपराध प्रमोद यादव समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई से जिले में असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश गया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेहनाजपुर थाने में तैनात हेड मुहर्रिर ने सरकारी रिवाल्वर से खुद को मारी गोली, मौत

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। मेहनाजपुर थाना परिसर स्थित आवास में उस समय अफरा तफरी मच गई। जब थाने में तैनात हेड मुहर्रिर ने सरकारी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। वे बलिया जनपद के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कोकाढ़ी गांव के रहने वाले थे। बलिया जनपद में सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कोकाढ़ी गांव निवासी नंदलाल राम मेहनाजपुर थाने में हेड मुहर्रिर के पद पर तैनात थे। वह लगभग नौ साल से थाने में इस पद पर अपनी सेवा दे रहे थे। कुछ महीने में उनका रिटायरमेंट होना था। नंदलाल का स्थानांतरण जौनपुर जनपद के लिए हो गया था। उनका परिवार बलिया में ही रहता है। वह अकेले यहां रहकर नौकरी करते थे। शुक्रवार की सुबह नंदलाल आवास से निकलकर बाजार गए और चाय पीकर थाने में आ गए। यहां मालखाना खोलकर उन्होंने रिवाल्वर निकाली और अपने आवास में आ गए। यहां खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर लोग उनके आवास पर पहुंचे तब तक नंदलाल की मौत हो चुकी थी। मौत का कारण नहीं पता चल सका है।सूचना मिलते ही सीओ लालगंज, फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस द्वारा परिवार को घटना की जानकारी दी गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत, दूसरी गंभीर रूप से झुलसी

गांव में मचा कोहराम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोंडा खास गांव में शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसे में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से झुलस गई। यह हादसा करीब दोपहर 2 बजे का है जब महिलाएं पेड़ के नीचे बैठी थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव की रहने वाली अनुराधा गौड़ पत्नी दिलीप गौड़ घर के कार्यों से निवृत्त होकर गांव के समीप एक जामुन के पेड़ के नीचे बैग सहित बैठी हुई थीं। उसी दौरान तेज गरज और चमक के साथ आकाशीय बिजली सीधे उस पेड़ पर गिरी, जिससे अनुराधा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कुछ दूरी पर बैठी सावित्री देवी बिजली के प्रभाव से गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें ग्रामीणों की मदद से तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही जाफराबाद चौकी इंचार्ज राधेश्याम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भिजवा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली गिरने का प्रभाव इतना भयावह था कि पास से गुजर रही 33 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन भी चिंगारी छोड़ते हुए सांप की तरह लहराने लगी। जिस जामुन के पेड़ पर बिजली गिरी, उसकी डालियाँ हवा में उड़कर करीब 50 मीटर दूर तक जा गिरीं, जिससे पूरे गांव में दहशत फैल गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार व लेखपाल भी तत्काल मौके पर पहुंचे और आपदा राहत योजना के तहत आर्थिक सहायता हेतु आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। गांव में इस दर्दनाक हादसे के बाद शोक की लहर है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को यथाशीघ्र आर्थिक मदद दिए जाने की मांग की है।

युवती के अपहरण का आरोप, गांव के युवक पर केस दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवती के अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़ित परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही युवक के खिलाफ अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर युवती की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की भोर में गांव की एक युवती अचानक लापता हो गई।जिसके बाद परिजन उसे पूरे दिन इधर-उधर ढूंढते रहे। जब कोई सुराग नहीं मिला तो युवती की मां ने शाम करीब सात बजे गौराबादशाहपुर थाने पहुँचकर गांव के एक युवक के खिलाफ तहरीर दी। महिला ने आरोप लगाया कि युवक बहला फुसलाकर उसकी बेटी को भगा ले गया है। थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर कृष्णा सरोज के खिलाफ अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मोबाइल लोकेशन के माध्यम से दोनों की तलाश की जा रही है। बहुत जल्द युवती को बरामद कर लिया जाएगा।

जौनपुर में पेड़ से लटकी मिली युवक की लाश

◆ पुलिस हत्या या आत्महत्या की गुत्थी में उलझी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के ग्राम नरवारी, ग्रामसभा समसुद्दीनपुर में शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज घटना घटी। यहाँ एक 20 वर्षीय युवक नदीम, पुत्र इम्तियाज की लाश पेड़ पर लटकी हुई पाई गई। स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 5 बजे इस घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को मृतक के हाथ उसकी अपनी शर्ट से बंधे हुए मिले। शरीर पर किसी भी तरह के चोट के निशान नहीं पाए गए, जिसके कारण प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदीम का व्यवहार सामान्य था और किसी तरह के विवाद या तनाव की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने मृतक के परिवार वालों और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। ग्रामसभा में इस घटना से सनसनी फैल गई है और लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि आखिर क्या वजह रही होगी कि युवक ने ऐसा कदम उठाया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने बताया कि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जल्द ही मामले की सच्चाई सामने आएगी। फिलहाल, पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। इस घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है।

तेजीबाजार में बदले की आग में हुई सरोज पाठक की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

◆ गैरेज से लौटते समय मारी गई गोली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के तेजीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बरईपार-सिकरारा मेन रोड पर स्थित सकरदेल्हा गांव के पास एक पाइप फैक्ट्री के सामने गुरुवार की रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब हरिगांव निवासी सरोज पाठक की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। घटना की सूचना पर तत्काल हरकत में आई पुलिस ने मात्र दो घंटे के भीतर तीनों नामजद हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, मृतक सरोज पाठक बरईपार स्थित एक गैरेज पर काम करता था और गुरुवार की शाम काम समाप्त कर जैसे ही वह अपने घर लौट रहा था, पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उस पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही तेजीबाजार थाना पुलिस, सीओ सदर परमानंद कुशवाहा और अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बेटे की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्जः मृतक के पुत्र अजीत पाठक द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मु.अ.सं. 111/2025 धारा 103(1) इठर के अंतर्गत तीन नामजद और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मुखबिर की सूचना पर महज दो घंटे में ही तीनों नामजद आरोपीगण को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के नामः घनश्याम पाठक पुत्र जयराम पाठक, अदीप पाठक पुत्र घनश्याम पाठक,नागेंद्र पाठक पुत्र आशाराम पाठक (तीनों निवासी- हरिगांव, थाना सिकरारा, जनपद जौनपुर)

बदले की भावना में की गई हत्याः पुलिस की शुरूआती जांच और अभियुक्तों से पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि हत्या बदले की भावना से की गई।आरोपी ने बताया कि वर्ष

2022 में मृतक सरोज पाठक ने जमीनी विवाद के चलते उनके परिजन की हत्या कर दी थी, जिसके चलते वे लगातार बदला लेने की फिराक में थे और जैसे ही मौका मिला, उन्होंने इस वारदात को अंजाम दे दिया।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए सीओ सदर परमानंद कुशवाहा ने बताया मृतक सरोज पाठक पहले भी हत्या के एक मामले में जेल जा चुका था। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि यह हत्या प्रतिशोध की भावना से प्रेरित थी। तीनों नामजद आरोपीगण को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रेन से कट कर युवक की मौत

- ◆ जीआरपी-आरपीएफ में क्षेत्राधिकार को लेकर उलझन, यात्री रहे परेशान
- ◆ जफराबाद रेलवे ट्रैक पर चाचकपुर के पास मरूधर एक्सप्रेस से हुई घटना

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर जौनपुर जौनपुर जंक्शन से सुबह लगभग 7:30 बजे रवाना हुई मरुधर एक्सप्रेस से चचकपुर नदी के पहले एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। यह हादसा जाफराबाद और जौनपुर जंक्शन के बीच में हुआ जिसे लेकर रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल में कार्यवाही को लेकर क्षेत्राधिकार का विवाद खड़ा हो गया था। हादसे के बाद ट्रेन को करीब एक घंटा तक रोके रखा गया, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मृतक की पहचान गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के राहुल बनवासी पुत्र वकील बनवासी के रूप में जेब से मिले कागजों के आधार पर हुई। फिलहाल राहुल किन परिस्थितियों में वहां पहुंचा और कैसे ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हुई। घटना आत्महत्या है या दुर्घटना यह पुलिस जांच का विषय है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद ऑपरेशन कालनेमि के तहत पहला मुकदमा दर्ज.

क्रिस्टल वर्ल्ड के सामने कार में तोड़फोड़ और हंगामा करने वाले 3 कांवड़िये पुलिस ने किए गिरफ़्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद ऑपरेशन कालनेमि के तहत पहला मुकदमा दर्ज,रुड़की के समीप क्रिस्टल वर्ल्ड के सामने कार में तोड़फोड़ और हंगामा करने वाले 3 कांवड़िये कार्यवाही से कुछ उपद्रवियों को जो कावड़ यात्रा को बदनाम करना चाहते है। सबक है ये की उत्तराखण्ड में ऐसे अराजक तत्व पर शिकंजा कसना तय है और मुख्यमंत्री धामी के ऑपरेशन कालनेमि के तहत ये

पुलिस ने किए गिरफ़्तार।मुकेश नाम के व्यक्ति पर कावड़ खंडित करने के आरोप लगाकर जमकर काटा था बवाल उपद्रवियों को सबक सिखाने को तैयार अब पुलिस में गंभीर धारा में मुकदमा करके साफ संदेश दिया है। जिसमें जान से मारने के प्रयास में मुकदमा दर्ज किया है।आरोपी ज़िला सहारनपुर के गंगोह के रहने वाले है! पुलिस की पहला मुकदमा है, जिसके तहत ऐसे लोगो पर शिकंजा कसा जाएगा जो सनातन धर्म की आड़ में उपद्रव मचाते है और लूट और ठगी तक को अंजाम देते है।सनातन धर्म के संस्कारों मयार्दाओं और प्रतिष्ठा को बचाने के लिए मुख्यमंत्री धामी के इस कदम की जमकर सराहना की जा रही है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जरूरतमंदों की किया मदद, पूजा अर्चना के बाद बांटा गया प्रसाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर की मशहूर माँ शीतला धाम के प्रांगण में शीतला जी महारानी पुरोहित ट्रस्ट परिवार के बैनर तले एक प्रोग्राम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हुआ।

इस मौके पर मदद के रूप में लिफाफे दिए गए एवं चुनरी दी गई वही उक्त लोगों को जरूरत के सामान भी दिए गए।प्रोग्राम में ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु और उनकी पत्नी मनोज कुमारी त्रिपाठी भी मौजूद रही।वहीं ट्रस्ट के लोगों ने मां शीतला चौकियां धाम में आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि में माता रानी के दरबार में दर्शन पूजन किया। प्रातः मन्दिर के काल कपाट खुलने के पश्चात मुख्य ट्रस्टी विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु ने आरती पूजन किया। हवन-पूजन के साथ माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की गुरू पूर्णिमा तिथि होने से भोर से ही भक्तों की लंबी कतार माता रानी के दर्शन-पूजन करने के लिए लग गयी थी। ट्रस्ट के लोग भी कतार में खड़े होकर बारी-बारी से माता रानी का दर्शन-पूजन के बाद हवन, पाठ में भाग लिए। दोपहर में माता रानी का भव्य श्रृंगार करके आरती पूजन किया गया। वहीं माता रानी का दर्शन-पूजन करने के पश्चात काल भैरवनाथ मंदिर एवं मां काली में भी के दर्शन पूजन ट्रस्ट के द्वारा किया गया।इस मौके पर मुख्य रूप से उग्रसेन दुबे, सरोज दुबे, नूतन उपाध्याय, सत्य प्रकाश मिश्रा, आदर्श, अनुश्रुति अधिवक्ता, प्रज्ञा, श्वेता, डॉ कृतिका त्रिपाठी, दिनेश चन्द, नाटे शुक्ला, अवनीश तिवारी, अजय शुक्ला, आदर्श की पत्नी कृति त्रिपाठी, कल्यानी पान्डेय, अनुभव पान्डेय उपस्थित रही।

विश्व जनसंख्या दिवस एवं पखवाड़ा का शुभारम्भ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस एवं पखवाडा, दिनांक 11 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 एम0के0 गुप्ता तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 राजीव कुमार की उपस्थिति में किया गया। विश्व जनसंख्या दिवस का थीम मॉ बनने की उम्र वही जब तन और मन की तैयारी सही है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि इसके अन्तर्गत परिवार कल्याण के विभिन्न विधाओं के द्वारा परिवार सीमित करने के लिये उपलब्ध विधि अपनाएं। सभी विधाओं की सुविधा जिला चिकित्सालय/ सामु0स्वा0केन्द्र/ प्रा0 स्वा0 केन्द्र तथा शहरी स्वास्थ्य केन्द्रां पर निः शुल्क उपलब्ध है। उपरोक्त कार्यक्रम के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने 11 लोगो को आई0सू0डी0, अन्तरा, छाया, निरोध का वितरण किया। इसके बाद उन्होने सारथी वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवान किया।जिसके द्वारा गॉव एंव शहर की जनता को जागरूक किया जा सके।इस अवसर पर समस्त चिकित्सा अधिकारीगण/स्वा0 शिक्षा अधिकारी अरूण मौर्या, रेनु कन्नौजिया, फै0वे0फे0 काउंसलर एवं समस्त स्टॉफ आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया ।

गुरू पूर्णिमा/धम्म चक्क पवत्तन दिवस मनाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सम्राट अशोक क्लब भारत शाखा जौनपुर के तत्वावधान में सैक परिवार के सदस्यों म ने अशोक बुद्ध विहार केराकत जौनपुर में हर्षोल्लास के साथ पर्व गुरू पूर्णिमा/धम्म चक्क पवत्तन दिवस को मनाया। वही कार्यक्रम में वक्ताओं ने गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से थानागद्दी के ग्राम प्रधान रमाकांत मौर्य, राजेश कुमार मौर्य, रामजी मौर्य, कन्हैया लाल मौर्य, राघवेन्द्र मौर्य, सनोज मौर्य, अखिलेश मौर्य, अनिल कुमार मौर्य, मुस्कान मौर्य, राजकुमार मौर्य, चन्दन मौर्य व दीपचंद मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे। अन्त में जिलाध्यक्ष गंगा प्रसाद मौर्य ने आए हुए श्रद्धालुओं को धम्मवाद ज्ञापित किया है।

कुल्हाडी से केक काटने का वायरल वीडियो के सम्बन्ध में दो घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

सिकरारा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा पुलिस द्वारा कुल्हाडी से केक काटने का वायरल वीडियो के सम्बन्ध में 02 घंटे अंदर केक काटने वाले इन्द्रजीत गिरी पुत्र कैलाशनाथ गिरी को किया गया गिरफ्तार ।अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 11.07.2025 को आरोपी इन्द्रजीत गिरी पुत्र कैलाशनाथ गिरी निवासी ग्राम सैदपुर थाना सिकरारा जनपगद जौनपुर उम्र करीब 31 वर्ष का शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

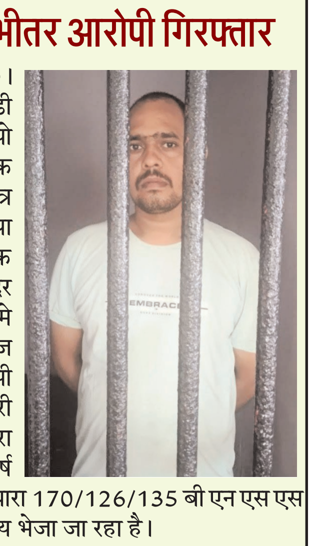

सुपरिचित साहित्यकार, पत्रकार और जनपद में हिन्दी-उर्दू साहित्यिक आयोजनों के धुरी अजय कुमार नहीं रहे

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुपरिचित साहित्यकार, पत्रकार और जनपद में हिन्दी-उर्दू साहित्यिक आयोजनों के धुरी रहे अजय कुमार नहीं रहे। चौरासी वर्ष की आयु पार कर चुके अजय अपने अंतिम समय तक लेखन और साहित्यिक गतिविधियों से जुड़े रहे। गुरुवार की रात उनके निधन का समाचार सुनते ही हिन्दी और उर्दू साहित्यकारों, कवियों, शायरों तथा विभिन्न सम्बद्ध समुदायों में शोक छा गया। उनकी इच्छानुसार नेत्र बैंक को उनका नेत्र और बीएचयू के मेडिकल कॉलेज को शरीर दान कर दिया गया। हिन्दी भवन संचालन समिति के अध्यक्ष पद का अंतिम समय तक दायित्व संभालने वाले अजय कुमार ने हिन्दी और उर्दू साहित्य क्षेत्र के अतिरिक्त रंगकर्म, कला, सांस्कृतिक, वैचारिक और सामाजिक गतिविधियों को व्यापक मंच दिया।सक्रिय भागीदारी निभाई सो अलग। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लम्बे समय से लगातार लेखन के अतिरिक्त कई पुस्तकों का लेखन या सम्पादन उन्होंने किया। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े समाचारपत्र ₹समयर₹ के भी कई वर्षों तक सम्पादक रहे। निधन के महज पांच दिन पहले उन्होंने राग जौनपुरी पर उसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं आधुनिक प्रयोगों को लेकर एक पुस्तक पूरी करके उसे प्रकाशन के लिए भेजा था। उन्होंने शिक्षक के रूप में भी समाज को अपना योगदान दिया और राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज के प्राचार्य पद से करीब दो दशक पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे। बतौर प्राचार्य वे सख्त अनुशासन प्रिय रहे। उन्हें शास्त्रीय संगीत, रंगकर्म, देशी-विदेशी फिल्मों, चित्रकला जैसे क्षेत्रों की गहरी समझ थी।

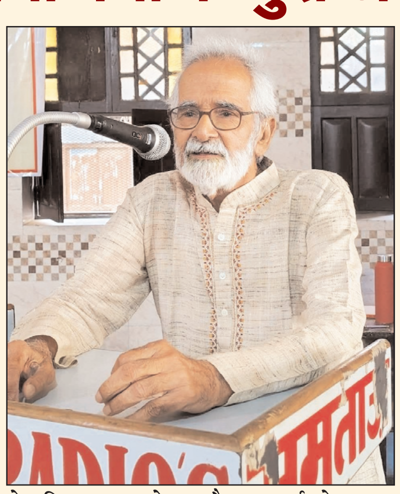

धुर वामपंथी विचारधारा वाले अजय कुमार जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी कई वर्षों से संभाल रहे थे। भाकपा माले से सम्बद्ध इस सांस्कृतिक संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन 12 जुलाई से रांची (झारखंड) में शुरू हो रहा है, जिसके कारण मंच की अग्रिम पंक्ति के लोगों की मौजूदगी रांची में होने के कारण वे अजय कुमार की अंतिम विदाई में तो नहीं आ सके लेकिन उन्होंने वहां पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जसम का रांची अधिवेशन कामरेड अजय कुमार को समर्पित किए जाने की सूचना मिली है। दिवंगत के निवास पर आजमगढ़ से आये भाकपा माले नेता कामरेड जयप्रकाश नारायण, जौनपुर के भाकपा नेता कामरेड जयप्रकाश सिंह, माकपा के पूर्व जिला सचिव कामरेड किरण सिंह रघुवंशी, श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के पूर्व अध्यक्ष अरविन्द उपाध्याय, डॉ .प्रतीक मिश्र, लाल प्रताप राही आदि ने अजय कुमार के पार्थिव शरीर पर लाल झंडा लगा कर अंतिम सलामी दी।

हिन्दी भवन एवं ₹समयर₹ के संस्थापक, प्रसिद्ध समाजसेवी तथा स्वतंत्रता सेनानी स्व. रामेश्वर प्रसाद सिंह के द्वितीय पुत्र अजय कुमार अपने पीछे अपनी पत्नी आशा सिंह और पुत्र अपल सिंह सहित शोकाकुल परिवार रचनात्मकता से जुड़ा एक व्यापक समुदाय छोड़ गए हैं। आशा सिंह हिन्दी भवन की संचालनकर्ता और अपल सिंह अन्तरराष्ट्रीय ख्याति के वरिष्ठ वीडियो जर्नलिस्ट हैं। अंतिम यात्रा आज निवास स्थान से चल कर हिन्दी भवन पहुंची, जहां कवियों, शायरों, साहित्यकारों, रंगकर्मियों, सांस्कृतिक कार्यकताओं, पत्रकारों, परिजनों और प्रमुख नागरिकों ने दिवंगत को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद उनका पार्थिव शरीर बीएचयू मेडिकल कॉलेज के लिए वाराणसी ले जाया गया।

मुंबई के जिलाधिकारी का समाजसेवीयों द्वारा सम्मान

मुंबई। मुंबई उपनगर के नव नियुक्त *युवा जिलाधिकारी सौरभ कटियार* का सम्मान समाजसेवीयों द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय, बांद्रा पूर्व पर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल, हरीश वर्मा (अध्यक्ष महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज),भवन निमार्ता राम अकबाल (रामु) वर्मा, एस. के. सिंह (पूर्व शिक्षण समिति सदस्य),एड. शरीफ खान (अध्यक्ष-समता हॉकर्स यूनियन) एवं राधेश्याम पटेल ने जिलाधिकारी सौरभ कटियार का पुष्प गुच्छ देकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों की समस्याओ के निराकरण हेतु यहाँ बैठा हूँ। कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर मेरे पास आ सकता है।

पौधारोपण अभियान, एक पेड़ मां के नाम

उदयपुरवाटी। कस्बे में 3 नंबर चुंगी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में हरियालों राजस्थान कार्यक्रम के तहत चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत ने अपने हर्बल गार्डन में पौधारोपण कर गार्डन में हरितमा की चादर को बढ़ाया।गार्डन में पहले भी कई औषधीय पौधे उगा रखे हैं और उनकी सर सम्भाल भी होती है। कार्यलय स्टाफ के अलावा पर्यावरण प्रेमी शिवपाल सैनी गिरधरपुरा भी इस मौके पर उपस्थित होकर पौधारोपण में सहयोग किया।

मार्कंडेय महादेव में जलाभिषेक करने वालों के लिए तगड़ीसुरक्षा का इंतजाम

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में सावन में कैथी स्थित प्रसिद्ध मार्कंडेय महादेव धाम में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। 20 सीसीटीवी कैमरे, दो ड्रोन के जरिये धाम की निगरानी होगी। वहीं लगभग 900 कारों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा चार बैरियर, एक वॉच टावर बनाया गया है। कैथी चौकी प्रभारी को सावन में मार्कंडेय महादेव धाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गंगा में दर्शनार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए जल पुलिस, दो दर्जन गोताखोर और एनडीआरएफ को तैनात किया गया है। वहीं सावन को लेकर स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों की मीटिंग हुई। इसमें सावन में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। दरअसल, मार्कंडेय महादेव धाम में काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। सावन में श्रद्धालुओं की तादाद और बढ़ जाती है। ऐसे में प्रशासन मुस्तैद हो गया है। इस बार सावन में सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

अमित दुबे ने वसई विरार महानगर पालिका आयुक्त अनिल पवार को सौंपा ज्ञापन

आनंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। सावन के आते ही हर हर महादेव और बोल बम की गूंज सुनाई देने लगती है शिव भक्तों की केसरिया टोलियां नदियों, घाटों और सड़कों पर दिखाई देने लगती है। जिनके कंधों पर टंगी रहती है कावड़। कावड़ यात्रा न केवल शिव की आराधना का उत्सव है बल्कि वह जनसाधारण के जीवन से जुड़ा हुआ सांस्कृतिक पर्व बन चुका है। देवाधिदेव महादेव का प्रिया महीना सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है जो 9 अगस्त को समाप्त होगा इसी को ध्यान में रखकर आने वाले कावड़ यात्रा, दहीहंडी, गणपति आगमन एवं विसर्जन आदि को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी व भाजपा वसई विरार शहर के सचिव अमित ओम प्रकाश दुबे ने वसई विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त अनिल पवार से शुभेच्छा भेंट करके महानगरपालिका अंतर्गत आने वाले सभी सड़कों अभी से दुरुस्त करने का आवेदन पत्र दिया । इस विषय पर आयुक्त अनिल पवार से चर्चा हुई और भक्तों के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विभाग अधिकारी को निर्देश जारी किया कि सड़कों को जल्द से जल्द गड्ढा मुक्त किया जाए। अमित ओमप्रकाश दुबे ने आयुक्त अनिल पवार का आभार व्यक्त माना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरुदक्षिणा कार्यक्रम संपन्न

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महराजगंज के अनुमंडल अंतर्गत माधव प्रभात शाखा महाराजगंज में, गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरुदक्षिणा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं हिंदू समाज के लोगों की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में वयक्तिकत गीत डॉ दिनेश चंद्र, एवं बौद्धिक चंद्रशेखर जी, ने दिया।

बिल्डरों के धोखाधड़ी की एसआईटी जांच और पानी की समस्या दूर हो: स्नेहा दुबे

-नरेंद्र सोनी

वसई रोड। वसई विधायक संघर्षकन्या स्नेहा दुबे पंडित ने वसई-विरार शहर में बिल्डरों द्वारा मकान मालिकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी और पानी की गंभीर समस्या के संबंध में विधानसभा में एक आकर्षक सुझाव प्रस्तुत किया। नायगांव में 90% इमारतों को आज तक अधिभोग प्रमाण पत्र (ओसी) नहीं मिला है, क्योंकि बिल्डर काम बीच में ही छोड़कर भाग गए हैं। इससे नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पुरजोर मांग की कि ऐसी गड़बड़ियाँ करने वाले बिल्डरों की 'काली सूची' तैयार की जाए। यह सूची वसई-विरार सहित सभी नगर निगमों को वितरित की जानी चाहिए। बिना ओसी वाले प्रोजेक्ट के

बिल्डरों को नए परमिट न दिए जाएँ।

सर्वोच्च न्यायालय के 18 दिसंबर, 2024 के निर्णय के अनुसार, बिना सीसी और ओसी के पानी के कनेक्शन नहीं दिए जा सकते, लेकिन अस्थायी रूप से पानी के कनेक्शन देने के सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए ताकि नागरिकों को परेशानी न हो।

इस संबंध में, नगरनिगम में कुछ अधिकारियों के भ्रष्टाचार का उदाहरण देते हुए, स्नेहा दुबे पंडित ने एसआईटी जाँच की माँग की। विशेष रूप से, रेड्डी नामक एक उप निदेशक के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई कार्रवाई का उल्लेख करते हुए, उन्होंने गंभीर वित्तीय अनियमितताओं को उजागर किया।

इसके जवाब में, संबंधित मंत्री ने आश्वासन दिया कि किसी भी नागरिक को पानी से वंचित नहीं रखा जाएगा।

नागरिकों को पानी के कनेक्शन प्रदान करने के लिए तत्काल उपाय किए जाएँगे।

ऐसे बिल्डरों की कोई भी नई परियोजना स्वीकृत नहीं की जाएगी, जिससे उनकी अन्य संपत्तियों पर बोझ पड़े और जो बिल्डर कदाचार करते हैं।

इसके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बिल्डरों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की सूची सभी नगर निगमों को भेजी जाए।

वसई-विरार में बिना ओसी वाली इमारतों के निवासियों को न्याय मिलेग: राजन नाइक

वसई रोड। वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में बिना अधिभोग प्रमाणपत्र (ओसी) प्राप्त किए फ्लैट बेचने से हजारों परिवारों को पानी और दंड कर सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नाला सोपारा विधायक राजन नाइक ने विधानसभा में गंभीर मुद्दा*उठाकर बताया की वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में कई बड़ी इमारतों का निर्माण हुआ है, जिनमें से कुछ ने निर्माण परमिट प्राप्त कर लिया है। हालाँकि, इन डेवलपर्स ने वित्तीय लाभ के लिए अवैध गतिविधियों, जैसे कि परमिट से अधिक निर्माण करना और निवासियों को आवश्यक सुविधाएँ प्रदान न करना, के कारण बिना ओसी प्राप्त किए ही ग्राहकों को फ्लैटों का कब्जा दे दिया है। इससे एक ओर जहाँ नगर निगम को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर लाखों परिवारों को पानी की कमी और दंड कर का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, ऐसे फ्लैटों को दोबारा बेचते समय राष्ट्रीयकृत बैंकों और प्रतिष्ठित आवास ऋण संस्थानों से ऋण नहीं मिल पाता है। भविष्य में, ये इमारतें अवैध भी हो सकती हैं।

नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाइक ने इस गंभीर नागरिक समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए विधानसभा में एक आकर्षक सुझाव दिया और सरकार से जवाब माँगा। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसी इमारतों में रहने वालों को पानी मिलेगा? क्या उन्हें दंडात्मक कर से छूट मिलेगी? साथ ही, क्या राजस्व की चोरी करने वाले और नागरिकों को धोखा देने वाले डेवलपर्स के खिलाफ एमआरटीपी अधिनियम में संशोधन करके कार्रवाई की जाएगी? इन सवालों का जवाब देते हुए, शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती माधुरी मिसाल ने कहा कि विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दे में सच्चाई है। राजस्व की चोरी करने वाले डेवलपर्स की अन्य संपत्तियों पर भी अतिक्रमण लगाया जाएगा। साथ ही, ऐसे डेवलपर्स के नए निर्माण परमिट स्वीकृत नहीं किए जाएँगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि उपभोक्ताओं के बजाय डेवलपर्स से दंडात्मक कर वसूला जाएगा और किसी को भी पानी से वंचित नहीं रखा जाएगा।

सपा नेत्री अर्चना पटेल ने दान कीं अपनी किडनी और आँखें

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी बुंदेलखंड बांदा की महिला सभा की जिलाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह पटेल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के मौके पर जनहित में अपनी किडनी दान करने का फैसला कर एक अनूठा उदाहरण पेश किया है। समाजवादी पार्टी की राजनीति में सक्रिय रूप से कार्यरत 47 वर्षीय श्रीमती अर्चना पटेल अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कई वर्षों से रक्तदान भी करती आ रही हैं। बड़ी लगन से जनसेवा करने वाली अर्चना ने बताया कि मानव अंगों के दान से जरूरतमंद दुखी लोगों के जीवन में खुशियाँ लौट सकती हैं ,बस इसी प्रेरणा से मैंने अपने नेत्रदान की औपचारिकता भी पूरी कर दी है। उनके अंगदान की पुष्टि कैण्ट जनरल हॉस्पिटल प्रयागराज इलाहाबाद के

आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी डॉ बद्री विशाल सिंह स्वरूपरानी ने की है ।अर्चना के इस पुण्य कर्म की सराहना पूरे प्रदेश में हो रही है और अंगदान के प्रति लोगों मे जागरूकता का बेहतर संदेश जा रहा है उनके इस पुनीत कार्य के लिए मान्यताप्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी, राष्ट्रीय महासचिव डॉ अनिल कटियार एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजेश त्रिवेदी, छत्रपति सेवा संस्थान के महासचिव पवन कुमार वर्मा, प्रभात सिंह वर्मा, काका फूल चन्द्र उमराव, राजेन्द्र कटियार पारस, अरविंद कटियार, सौरभ वर्मा, प्रदीप कटियार, क्षेदा लाल शास्त्री ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं।

सामाजिक सुरक्षा की नई दर को धरातल पर उतरने के लिए बीइओ ने की बैठक

सीवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मुख्य सचिव, बिहार के ज्ञापांक-1601 दिनांक 04.07.25 के द्वारा मुख्यमंत्री, बिहार के द्वारा 11.07.2025 को समय 10:30 पूर्वाहन में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत पहली बार नई दर से पेंशन की राशि अंतरण से संबंधित प्रखंड मुख्यालय के बीआरसी कार्यालय में बीइओ राजकुमार की अध्यक्षता में बैठक की गई। बीइओ ने उपस्थित अधीनस्त सरकारी कर्मियों को ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं राजस्व ग्राम स्तर पर कार्यक्रम आयोजित प्रसार प्रचार कर व्यवहार में लाने का निर्देश दिया।

बीइओ ने बताया मुख्य सचिव, बिहार द्वारा आयोजित विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से आदेश निर्गत है। जिनका अक्षरश अनुपालन सुनिश्चित किया जाना है।

विदित हैं, कि राज्य सरकार के द्वारा सभी छः सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में दी जानी वाली पेंशन की राशि को माह जून, 2025 से 400 सौ रुपये से बढ़ाकर 1100 सौ रुपये प्रतिमाह किया गया है। मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा 11.07.2025 को सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को डी.बी.टी. के माध्यम से राशि अंतरित की जायेगी। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को संलग्न तालिका में अंकित स्थानों पर पूर्वाहन 9:30 बजे एकत्र किया जाना है। चूंकि राशि में बढोतरी पेंशनधारियों के लगातार मांग के आलोक में किया गया है। योजना के 60 प्रतिशत पेंशनधारियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

अखिल विश्व गायत्री परिवार ने मनाई गुरु पूर्णिमा

ठाणे। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार डोंबिवली के तत्वावधान में गुरुवार 10 जुलाई 2024 को संव्यास हाल जय हिंद कॉलोनी डोंबिवली (पश्चिम) में गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन डोंबिवली प्रमुख संध्या ताई पाटील के मार्गदर्शन में गायत्री प्रज्ञा केंद्र डोंबिवली द्वारा किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार डोंबिवली के सदस्य कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम गुरु पादुका का पूजन तत्पश्चात जप-प्रवचन, भजन कीर्तन, दीप यज्ञ एवं महा आरती किया गया जहां सैकड़ों भक्तों ने वेद माता गायत्री के मंत्रों का उच्चारण करते हुए गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य एवं पूजनीय माता भगवती देवी शर्मा के चरण पादुका का स्पर्श करके आशीर्वाद तथा आरती-प्रसाद का लाभ लिया।उक्त आयोजन में डोंबिवली के पूर्व नगरसेवक की उपस्थिति हुई तथा साथ-साथ गायत्री परिवार के पदाधिकारी एवं सदस्यों में अनंत प्रसाद त्रिपाठी,कमलेश सेठ, जयवंत झुंझारराव, आशीष कुमार सिंह, सरिता कमलेश सेठ, अवधेश शर्मा, कवि अनिल कुमार राही, श्रीकांत शुंकरवा,सरोज पाटिल जैसे सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बरेली में नमाज के बाद बम-बम भोले की गूंज

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली में मिश्रित आबादी के जिस जोगी नवादा इलाके में दो साल से सांप्रदायिक विवाद और तनातनी का माहौल था, वहां शुक्रवार को अमन के माहौल में सौहार्द के फूलों की बारिश हुई। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव और इंस्पेक्टर बारादरी धनंजय पांडेय की अगुवाई में जोगी नवादा की उसी शाहनूरी मस्जिद के पास कांवड़ियों के पहले जत्थे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुष्प वर्षा की, जहां दो साल पहले दोनों समुदाय के लोगों में पथराव के बाद पुलिस को लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग करनी पड़ी थी। शिवनंदन शर्मा के इस जत्थे में करीब डेढ़ सौ कांवड़िये नाचते गाते हरिद्वार के लिए रवाना हुए। कांवड़ियों पर करीब पचास मुस्लिम भाइयों ने पुष्प वर्षा की। साथ ही फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। सीओ समेत पुलिस टीम को भी

राधिका पर पिता को था गर्व, फिर क्यों खून से रंगे हाथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हरियाणा के गुरुग्राम में नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की उसके पिता ने कर दी गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी पिता दीपक यादव ने बेटी की हत्या क्यों की है। इसकी असल वजह सामने आई गई है। गुरुग्राम दंगल फिल्म का एक मशहूर डायलॉग तो आपने सुना ही होगा कि 'म्हारी छोरियां छोरों से कम हैं के' इस डायलॉग को हरियाणा की बेटी नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव ने साबित भी किया। राधिका यादव अभी तक 18 गोल्ड मेडल जीत चुकी थीं। लेकिन उसे क्या पता था कि उसके पिता ही उसके सपनों को चकनाचूर कर देंगे। दरअसल, गुरुवार (10 जुलाई) को राधिका घर पर खाना बना रही थी। इसी दौरान उसके पिता ने पीछे से गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी। बताया गया वारदात के दौरान राधिका की मां भी घर पर ही थी। आइए आपको बताएंगे कि पिता ने इस दिल दहला देने वाली वारदात को क्यों अंजाम दिया है।

आरोपी पिता गिरफ्तार

बेटी की हत्या करने के मामले में सेक्टर-56 थाना पुलिस ने आरोपी पिता दीपक यादव को घर से ही गिरफ्तार कर लिया और हत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है।

क्यों किया बेटी का मर्डर

आरोपी पिता दीपक यादव ने अपनी नेशनल टेनिस खिलाड़ी बेटी राधिका यादव की सिर्फ इसलिए हत्या कर दी, क्योंकि उसे लोगों से बेटी की कमाई खाने के ताने मिल रहे थे। झूठी शान के लिए उसने गुरुवार दोपहर को तीन गोलियां मारकर बेटी की हत्या कर दी। वारदात के समय बेटी रसोई में खाना बना रही थी।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया एमियो फ्रेश न्यूट्री ब्लेंडर

पटना (उत्तरशक्ति)। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपने नए एमियो फ्रेश न्यूट्री ब्लेंडर को लॉन्च किया है। 'हेल्दी चॉइसेज मेड ईजी' की सोच के साथ लाया गया यह ब्लेंडर खासतौर पर व्यस्त जीवनशैली वाले लोगों के लिए डिजाइन किया गया है, जो बिना समझौता किए सेहतमंद विकल्प चाहते हैं। 400 वॉट की ताकत, मैक्स ब्लेंड टेक्नोलॉजी, बीपीए-फ्री जार, इंटेलिजेंट लॉकिंग सिस्टम और लीक-प्रूफ डिजाइन जैसे फीचर्स इसे बेहद यूजर-फ्रेंडली बनाते हैं।

गंगा में डूब रहे युवक की एनडीआरएफ की सतर्कता और बहादुरी से बची जान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में सावन महोत्सव के शुरू होते ही काशी के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस दौरान संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए 11 वीं वाहिनी, एनडीआरएफ की टीमें उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में गंगा घाटों पर चौबीसों घंटे सतर्कता के साथ तैनात हैं।

आज संत रविदास घाट के पास एनडीआरएफ की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। वॉटर पेट्रोलिंग के दौरान टीम ने देखा कि प्रकाश (45 वर्ष), निवासी सुंदरपुर, वाराणसी, गंगा की तेज धारा में बहकर डूबने लगा। एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने तुरंत मोटरबोट से नदी में जाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला और घाट पर लाकर प्राथमिक उपचार प्रदान किया। यह घटना न केवल एक व्यक्ति की जान बचाने की कहानी है, बल्कि एनडीआरएफ की मानवता, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणादायक मिसाल भी है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने एनडीआरएफ की त्वरित कार्रवाई, बहादुरी और समर्पण की जमकर प्रशंसा की। 11वीं एनडीआरएफ की टीमें गंगा घाटों पर पूर्ण मुस्तैदी, अनुशासन और समर्पण के साथ तैनात हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।

अधिवक्ता बुद्धिश्म राना ने वृक्षारोपण व करुणा के साथ मनाया जन्मदिवस

अम्बेडकर नगर (उत्तरशक्ति)। अम्बेडकर नगर जिले के नगर पंचायत जहांगीरगंज क्षेत्र में एक ओर जहाँ जन्मदिवस को महज एक उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा चल रही है, वहीं अंबेडकरनगर जनपद के तेजतर्रार अधिवक्ता व वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट बुद्धिश्म राना ने अपने जन्मदिन को पर्यावरण और मानवीय करुणा को समर्पित कर समाज के समक्ष एक नई मिसाल प्रस्तुत की है।समाज सेवा और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रेरणादायक उदाहरण। जहांगीरगंज स्थित ग्राम न्यायालय में कार्यरत एडवोकेट राना ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर सर्वप्रथम पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा वृक्ष केवल हमारे जीवन का आधार नहीं, अपितु भावी पीढ़ियों के लिए सबसे अमूल्य धरोहर हैं। हमें अपने प्रत्येक जीवनपर्व को प्रकृति के संरक्षण में बदलना चाहिए।इसके पश्चात उन्होंने तथागत भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को स्मरण करते हुए सभी जीवों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का संदेश दिया। उन्होंने मछलियों को चारा खिलाकर अहिंसा व जीवमात्र के प्रति दया का प्रतीकात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया।जन्मदिवस पर आयोजित समारोह में परिजनों एवं शुभचिंतकों के साथ उन्होंने केक काटा, किंतु आयोजन का मूल उद्देश्य केवल उत्सव न होकर सामाजिक जागरूकता रहा। इस आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था श्रीचंद द्वारा की गई थी, जहां क्षेत्र के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे और कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। विशिष्ट अतिथियों में सम्मिलित रहे? बसपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला पंचायत सदस्य (रामनगर पूर्वी) जयप्रकाश मौर्यसर्वजन उत्थान वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक डॉ. एस. पी. चक्रवर्ती वरिष्ठ समाजसेवी रमेश मौर्य वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार मौर्य समाजसेवी अग्निता एवं डॉ. गीतासहित अन्य सम्माननीय व्यक्तित्व।सभी उपस्थित अतिथियों ने एडवोकेट बुद्धिश्म राना को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों और पर्यावरण के प्रति समर्पण की सराहना की।समापन पर सभी ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे आयोजन समाज को नई सोच, नई दिशा और नव प्रेरणा देने का कार्य करते हैं।

फंदे से लटका मिला लापता डीफार्मा छात्र का शव

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। यूपी के रायबरेली में दो दिन से लापता डीफार्मा छात्र सूरज कोरी का शव शुक्रवार सुबह गांव के बाहर जंगल में पेड़ की डाल से फंदे से लटकता मिला। पैर और हाथों पर छाले पड़े थे। चमड़ी उधड़ी हुई थी। शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डालने की आशंका जताई जा रही है। परिवार के लोगों का आरोप है कि बेटे की हत्या करके पेड़ से लटकाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि सूरज मूलरूप से उन्नाव जिले के बारा सगवर थाना क्षेत्र के तेज सिंह का पुरवा, मजरे अलीपुर का रहने वाला था। चार वर्षों से वह लालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे जालिम सिंह का पुरवा मजरे गौरा रुपई में बुआ अनीता देवी के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह डीफार्मा द्वितीय वर्ष का छात्र था। साथ ही कस्बा स्थित एक पैथोलॉजी में नौकरी भी करता था। परिवारीजनों के मुताबिक, बुधवार शाम फोन पर बात करते हुए वह घर से निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। गुरुवार सुबह कोतवाली में गुमशुदगी

श्रावण मास के पहले दिन काशी में पुष्पवर्षा से हुआ बाबा विश्वनाथ का अभिनव अभिषेक

-सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास का आरंभ काशी में इस बार परंपरा और नवाचार के एक अद्भुत संगम के रूप में हुआ। देवाधिदेव महादेव के परम धाम श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धा, सौंदर्य और शिव तत्व की त्रैतीय अवधारणा पर आधारित त्रिशिखर पुष्पवर्षा ने श्रद्धालुओं को अभिभूत कर दिया। सुबह मंगला आरती के पश्चात जैसे ही मंदिर के तीन प्रमुख शिखरों–भगवान विश्वनाथ, दंडपाणि और वैकुण्ठेश्वर–से एक साथ पुष्पवर्षा शुरू हुई, पूरा धाम हर-हर महादेव के घोष से गूंज उठा। पुष्पवर्षा से सजे त्रिशिखर दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। जब पुष्पों की वर्षा हुई तो श्रद्धालुओं की आंखें भावविभोर हो उठीं। हर ओर हर-हर महादेव और जय काशी विश्वनाथ के जयघोष गूंजने लगे। श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को अभूतपूर्व और आत्मिक अनुभव बताया।

श्रावण मास के स्वागत में यह आयोजन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के प्रयासों से संभव हुआ। मंडलायुक्त एवं न्यास अध्यक्ष एस. राजलिंगम की पहल पर आयोजित इस पुष्पवर्षा को त्रैतीय शिव दर्शन से जोड़ते हुए तीन चरणों में विभाजित किया गया–

1. तीन शिखरों से पुष्पवर्षा झ भगवान विश्वनाथ, दंडपाणि और वैकुण्ठेश्वर के ऊपर से श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर शिखर पूजन।
2. हरि-हर परंपरा की अभिव्यक्ति गर्भगृह से बद्रीनारायण मंदिर तक हरि-हर साधना को पुष्पवर्षा के माध्यम से जीवंत किया गया।
3. मां अन्नपूर्णा को पुष्प थाल समर्पण-तीन पुष्प थालों को माँ अन्नपूर्णा को अर्पित कर उन्हें श्रावण स्वागत भेंट के रूप में भक्तों में वितरित किया गया।

श्रद्धालुओं को मिला अभिनव स्वागत भेंट प्रसाद

अभूतपूर्व पुष्पवर्षा और भक्तों को मिले श्रावण स्वागत भेंट? ने पूरे आयोजन को और विशेष बना दिया। इन पुष्प थालों में अर्पित फूलों को अक्षत प्रसाद के साथ दिनभर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। मंदिर परिसर में आये श्रद्धालुओं के स्वागत में सीईओ विश्व भूषण मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर शंभु शरण, तहसीलदार मिनी एल. शेखर भी सम्मिलित रहे।

त्रैतीय तत्व का सुंदर प्रतिरूप

मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन शिव तत्व में निहित त्रैतीय दर्शन का जीवंत प्रतिरूप था। त्रिदेव, त्रिशूल, त्रिपुण्ड, त्रिलोक जैसे सिद्धांत इस पूरे आयोजन में गहरे समाहित रहे। यह काशी की उसी सनातन परंपरा का विस्तार है जो नवीनता में भी आध्यात्मिक मूल को नहीं भूलती। काशी धर्म और नवाचार की प्रयोगशाला: श्रावण के प्रथम दिन का यह अनूठा आयोजन यह दर्शाता है कि काशी न केवल आस्था की जीवंत नगरी है, बल्कि धार्मिक नवाचारों की अग्रदूत भी है। यहां की परंपराएं केवल जीवित नहीं, बल्कि विकसित हो रही हैं। ?सनातन परंपरा तभी जीवित रह सकती है जब उसमें समयानुकूल प्रस्तुति और पवित्र नवीनता जुड़ी हो। काशी इस दिशा में आदर्श है। – स्वामी विष्णु तीर्थ, दशाश्वमेध पीठ

भारतीय सिनेमा के उभरते सितारों को तराशने का शानदार मंच

मुंबई। इंडियन एक्सप्रेस समूह और स्क्रीन ने बुधवार को एक अग्रणी गैर-लाभकारी पहल, स्क्रीन अकैडमी जो भारतीय सिनेमा के उभरती प्रतिभाओं की मदद करेगी और उन्हें अपनी कृतियों का प्रदर्शन करने का मौका देगी। कान और ऑस्कर विजेता, गुनीत मोंगा, पायल कपाड़िया और रेसुल पूकुट्टी, और अनुभवी पटकथा लेखक, अंजुम राजाबली सहित विभिन्न किस्म के सदस्यों की रोमांचक और तेजी से बढ़ती सूची के साथ, यह अकैडमी भारत के शीर्ष फिल्म संस्थानों के साथ मिलकर, शिक्षा, प्रतिनिधित्व और मान्यता के जरिये फिल्म निर्माताओं की अगली पीढ़ी की पहचान करेगी और उन्हें मदद करेगी। लोढ़ा फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक, अभिषेक लोढ़ा के उदार सहयोग से स्थापित, स्क्रीन अकैडमी अपने फिल्म संस्थानों द्वारा नामांकित उन छात्रों को सालाना स्नातकोत्तर फेलोशिप प्रदान करेगी, जिनमें असाधारण कहानी कहने की क्षमता है, लेकिन औपचारिक फिल्म शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी है।

जनविरोधी है विद्युत निगमों का निजीकरण: संघर्ष समिति

जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन, कहा- निजी कंपनी से उपभोक्ता पहले से परेशान, फ्ळकतक नहीं रहेगा लागू

वाराणसी. वाराणसी में शुक्रवार को आयोजित बिजली टैरिफ जनसुनवाई के दौरान विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव को जनविरोधी करार देते हुए रद्द करने की मांग की। समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अगर निजीकरण को अनुमति दी गई तो उपभोक्ता न केवल महंगी बिजली भुगतेंगे, बल्कि हजारों संविदा कर्मियों की नौकरियां भी खत्म हो जाएंगी।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि निजी कंपनियां पहले से ही मीटर रीडिंग, बिलिंग, मीटर लगाने जैसे कार्य कर रही हैं, फिर भी उपभोक्ता लगातार गलत रीडिंग, अधिक बिल, जमा राशि के बावजूद कनेक्शन न जोड़ने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में पूरा विभाग निजी हाथों में चला गया तो आरटीआई जैसी पारदर्शिता भी खत्म हो जाएगी और जनता पूरी तरह लाचार हो जाएगी। संघर्ष समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी माया शंकर तिवारी, अंकुर पांडेय, ई. शशि प्रकाश सिंह और ई. नीरज बिंद के नेतृत्व में जनसुनवाई में भाग लेने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल वितरण निगमों का निजीकरण न केवल कर्मचारियों के हित में हानिकारक है, बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों का भी उल्लंघन है। संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन किसानों, बुनकरों व सरकारी संस्थाओं को दी जा रही सब्सिडी और बकाया राजस्व को घाटे में शामिल कर निजीकरण का तर्क दे रहा है, जबकि यह सरकार की जिम्मेदारी है। निजीकरण के प्रस्ताव को इसी आधार पर खारिज किया जाना चाहिए। प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि 06 अक्टूबर 2020 को तत्कालीन चेयरमैन पावर कारपोरेशन रहते हुए श्री अरविंद कुमार ने संघर्ष समिति के साथ लिखित समझौता किया था कि बिजली क्षेत्र में कोई भी निजीकरण कर्मचारियों को विश्वास में लिए बिना नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद निजीकरण का मौजूदा प्रस्ताव उस समझौते का उल्लंघन है।

संघर्ष समिति ने यह भी चेताया कि निजीकरण के बाद लाखों तकनीकी विद्यार्थियों के रोजगार की संभावनाएं भी खत्म हो जाएंगी। वर्ष 2019 में पूर्वांचल निगम में 5436 पदों की स्वीकृति मिली थी, लेकिन अभी तक शासन से स्वीकृति नहीं ली गई। इससे न केवल नौजवानों की उम्मीदें टूटी हैं, बल्कि ऊर्जा प्रबंधन के समझौतों की अवहेलना से कर्मचारियों में भी भारी असंतोष है। जनसुनवाई के दौरान इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आर.के. चौधरी, उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा, बुनकर संगठनों, किसान संगठनों, पार्षदों, ग्राम प्रधानों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी निजीकरण का विरोध किया। सभी ने एक स्वर में मांग की कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों का निजीकरण उपभोक्ताओं और आमजन के हित में नहीं है और इस प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से खारिज किया जाए।

रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार का भव्य आयोजन

मुंबई। रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन स्पेसमीडिया के संस्थापक सुशील वैश्य ने किया, जिसमें रियल्टी क्वार्टर के पवन चौहान और शाइस्ता अंसारी सह-आयोजक रहे। इस कार्यक्रम को शुभ बंसल का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रमुख दिग्गजों और उभरते सितारों को एक मंच पर लाने वाला प्रेरणादायक अवसर रहा, जहाँ नवाचार, ग्राहक-केन्द्रित सोच और नेतृत्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। प्लैटिनम कॉर्प और अवनी लैंड डिवेलपर्स सह-प्रायोजक के रूप में शामिल रहे, जबकि आईडीएफसी बैंक, सेंसेशन इंफ्राकॉन, और सिद्धिविनायक प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स सहयोगी भागीदार बने। टिकट्स99 टिकटिंग भागीदार, सुपर वीमेन गिफ्टिंग भागीदार, जीलो मर्चेंडाइज भागीदार और एवेत्रा मार्केटिंग भागीदार रहे। यह आयोजन केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उन रियल एस्टेट विजनरी व्यक्तियों को सम्मानित करने और प्रेरणादायक विचारों को साझा करने का अवसर बना, जो भारत के शहरों और समाजों को नई दिशा दे रहे हैं।

इस अवसर पर मंगेश तांडले, कविता अड़े, भविष्य गुप्ता और धवल हसोर्रा ने मंच से अपने व्यक्तिगत अनुभव, प्रोजेक्ट्स और सफलता की रणनीतियों को साझा किया। इसके बाद ह्यरियल एस्टेट और सेकेंड होम्स में निवेशह्ल विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ, जिसका संचालन सिद्धांत ठाकुर ने किया। इस चर्चा में भविष्य गुप्ता, कविता अड़े, मयुरेश परब, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे, और रफीक मर्चेंट शामिल रहे। कार्यक्रम में एक विशेष प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया जिसे प्रसिद्ध लेखक और चाणक्य विशेषज्ञ राधाकृष्णन पिल्लै ने प्रस्तुत किया। उन्होंने प्राचीन भारतीय रणनीतियों को आधुनिक नेतृत्व से जोड़ते हुए दर्शकों को गहराई से प्रेरित किया।

चोरों ने नगदी सहित लाखों के जेवर उड़ाए

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।चोरों के मन से सरकार का भय खत्म हो चुका है आए दिन वे विभिन्न घरों में लूटपाट करते रहते हैं। महराजगंज थाना क्षेत्र क्षेत्र के ग्राम सभा गौराकला बदलापुर तहसील में फूलचंद पुत्र गिरधारी लाल गौड़ के घर में चोरों ने घुसकर तांडव कर दिया। सोने का झुमका ,सोने की चेन, सोने की अंगूठी, पायल, नथनी, मंगलसूत्र, झाली सहित लगभग 70 हजार रुपए नगद चोर उड़ा ले गए। सरकार की इतनी कड़ी कानून व्यवस्था फेल क्यों हो जा रही है? आए दिन चोरों का कहर गांव वालों पर पड़ता रहता है। खून पसीने की कमाई एक झटके में चोर उड़ा ले जाते हैं, पीड़ित द्वारा पूरे घटना की जानकारी लिखित तहरीर द्वारा थाने पर दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज चोरी करने वाले की खोजबीन शुरू कर दी है।

जौनपुर बिजली के करेंट से युवक की मौत

नेवढ़िया, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के चकमहनी गांव में शुक्रवार दोपहर एक बजे के लगभग करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। बताते हैं कि युवक सोनू पटेल उम्र लगभग 18 वर्ष करंट की चपेट में आ गया है। जब तक लोग समझ पाते तब तक युवक पूरी तरह से करंट की चपेट में आ गया और युवक की मौत हो गई। ग्रामीण लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर पहुंचाया जहां पर डॉक्टर ने देखते ही युवक को मृत्य घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नेवढ़िया पुलिस मौके पर पहुंची एवं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। युवक विकलांग माता-पिता का अकेला वारिस था वही माता-पिता व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। चकमहनी के पूर्व प्रधान उदल पटेल ने कहा कि हमारे गांव में जो घटना घटी है, वह दुःखद है। मृत युवक अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था, घर की माली हालत ठीक नहीं है। माता-पिता भी विकलांग है किसी तरह यह लड़का ही घर की माली हालत चलाने में सहयोग करता था, हम एक जनप्रतिनिधि एवं गांव के पूर्व प्रधान होने के नाते ये मांग करते हैं की जो भी सरकारी लाभ हो वह पीड़ित परिवार को जरूर मिले।

सुधाकर राऊल को मातृ शोक

मुंबई। सुधाकर राऊल की माता प्रभावती विठ्ठल राऊल उम्र 85 वर्ष का निधन 1 जुलाई को उनके निवास स्थान भवानी माता को- आप. सोसायटी ना म जोशी मार्ग जी दक्षिण मनपा आफिस के सामने मुंबई में हो गया। प्रभावती मृदुभाषी मिलन सार सरल स्वभाव की थी, उनके निधन से परिसर में शोक की लहर फैल गयी है। अपने पीछे तीन बेटे एक बेटी बहुओ व नाते पोतियों से भरा पुरा परिवार छोड़ गयी हैं।

चार पहिया वाहन से कुचलकर मासूम बच्चे की मृत्यु

शराब के नशे में था ड्राइवर, मौके से गाड़ी छोड़कर फरार

-जीशान अहमद खान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अतरौलिया सड़क किनारे खेल रहे 6 वर्षीय मासूम की कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत, मजिस्ट्रेट लिखी गाड़ी पर सवाल।स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत निरीक्षण भवन के पास शुक्रवार की शाम समय लगभग 7:00 बजे एक दर्दनाक हादसे में छह वर्षीय मासूम की जान चली गई। रवि, पुत्र दीपक (उम्र लगभग 6 वर्ष), सड़क किनारे खेल रहा था, जब एक कार ने उसे कुचल दिया। यह कार मजिस्ट्रेट लिखी बताई जा रही है, जिससे क्षेत्र में रोष व्याप्त है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अंग्रेजी शराब की दुकान के पास बाँसफोर (वनवासी) समाज के लोग रहते है उनके घरों के बगल में यह गाड़ी खड़ी थी। कार से कुछ लोग उतरे और शराब की दुकान से शराब खरीदकर उसी वाहन में बैठकर सेवन करने लगे। इसी दौरान बच्चा वाहन के समीप ही खेल रहा था। तभी चालक ने बियर पीते हुए गाड़ी आगे बढ़ा दी, जिससे रवि गाड़ी के नीचे आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोग भारी संख्या में इकट्ठा हो गए और गाड़ी को घेर लिया। मौके का फायदा उठाकर गाड़ी में सवार लोग फरार हो गए। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकार अजय प्रताप सिंह थाना अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा मौके पर पहुंची और गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया। गंभीर रूप से घायल रवि को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक रवि दो भाई-बहनों में बड़ा था। उसके पिता दीपक मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मासूम की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। मां सीमा का रो-रो कर बुरा हाल है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कर में बीयर और दारू भी पड़ी हुई थी और प्रशासन से आरोपी वाहन चालक और उसमें सवार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश जारी है।

टैली सॉल्यूशंस ने टैली एमएसएमई ऑनर्स के पांचवें संस्करण के साथ एमएसएमई की तरक्की को प्रोत्साहित किया

ठाणे। टैली सॉल्यूशंस, भारत में छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी, ने टैली एमएसएमई ऑनर्स के पांचवें संस्करण के जरिए छोटे उद्यमों को प्रोत्साहित और सम्मानित करना जारी रखा है। यह वैश्विक वार्षिक कार्यक्रम एमएसएमई की विविधता और उनके अच्छे काम को जमीनी स्तर पर पहचानने और सम्मान देने के लिए समर्पित है।

2025 में इस पहल का दायरा बढ़ाकर भारत के सात प्रमुख शहरों – दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, अहमदाबाद और चेन्नई – तक ले जाया गया, जहां देश के कोने-कोने से अलग-अलग आवाजें एक साथ जुड़ीं। वैश्विक स्तर पर इस अभियान को 20,000 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए और इसे कोटक महिंद्रा बैंक का समर्थन भी मिला। यह पहल पालघर, रत्नागिरी, धुले और इचलकरंजी जैसे दूरदराज और छोटे शहरों तक पहुंची, जहां के व्यवसायों को उनकी मेहनत और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हाल ही में आयोजित मुंबई कार्यक्रम में उद्यमियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति निमार्ताओं ने एक साथ शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समीर पाटिल (मुख्य व्यवसाय अधिकारी, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड) और प्रफुल उमरे, सहायक निदेशक - 1, एमएसएमई - विकास एवं सुविधा अधिकारी ने छोटे और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की देश के स्थानीय और राष्ट्रीय विकास में अहम भूमिका को रेखांकित किया। यह आयोजन केवल पुरस्कारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एमएसएमई की प्रेरणादायक यात्रा को मंच देने और सहयोग, नवाचार व स्थिरता को बढ़ावा देने वाली एक सशक्त कम्युनिटी तैयार करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम रहा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के राडार को हटवाने का मुद्दा : मुख्यमंत्री ने स्वयं इस विषय को संज्ञान में लिया

मुंगई। दहिसर की विधायक मनिषाताई चौधरी के सतत प्रयासों, संबंधित विभाग को लिखे अनगिनत पत्रों, विभिन्न अधिकारियों संग हुई बैठकों के अनवरत क्रम के साथ-साथ विधानसभा में भी यह प्रश्न उपस्थित करने के उपरांत दहिसर में टोलनाका के पास स्थित एयरपोर्ट अथॉरिटी के राडार को हटाने का मुद्दा आखिरकार अब उच्चस्तरीय चर्चा में आ चुका है। मनिषाताई चौधरी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पिछले कई वर्षों से उनके द्वारा इस विषय का हल निकलवाकर दहिसरकरों को न्याय दिलाने का प्रयास लगातार जारी था। अब इस गंभीर मुद्दे पर फिर से आशा की किरण अब दिखाई दे रही है क्योंकि अब तो स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागरी उड्डयन विभाग की पश्चिम विभागीय मंत्री परिषद में इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है।

विधायक मनिषाताई ने बताया कि राडार स्थानान्तरित करने का यह मुद्दा हजारों परिवारों के घर के सपने से जुड़ा हुआ है, जिसमें एयरपोर्ट अथॉरिटी के राडार के कारण व्यत्यय आ रहा था।अब राज्य सरकार के सकारात्मक कदम से उन नागरिकों के सपनों को मजबूती मिली है। इसके लिए मनिषाताई ने मुख्यमंत्री फड़वणीस का आभार माना और कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में दहिसर के निवासियों को अब न्याय जरूर मिलेगा, इस पर हमारा पूरा विश्वास है। इसके साथ ही विधायक मनिषा ताई ने यह भी बताया कि माननीय नागरी उड्डयन मंत्री नायडू ने जल्द ही इस संदर्भ में योग्य निर्णय लेकर काम शुरू करने का आश्वासन भी दिया है।

'APMC से हो प्याज की खरीद': FPO मॉडल में भ्रष्टाचार के आरोप

किसानों के समर्थन में उतरे एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता

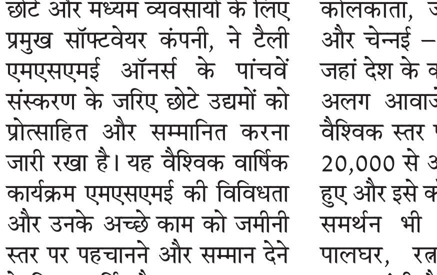

मुंबई। महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने राज्य सरकार से मांग की है कि प्याज की सरकारी खरीद किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के बजाय कृषि उपज मंडी समितियों (APMCs) के माध्यम से की जाए। किसानों का आरोप है कि वर्तमान एफपीओ मॉडल में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, जिससे असली किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। इस मुद्दे पर एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया एलियंस भ्रष्टाचार मुक्त भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता ने किसानों का समर्थन करते हुए महाराष्ट्र सरकार को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में उन्होंने FPO प्रणाली में हो रहे व्यापक भ्रष्टाचार पर चिंता जताई और APMC मॉडल को प्राथमिकता देने की मांग की।

वर्तमान में केंद्र सरकार की एजेंसियां जैसे नेफेड (NAFED) और एनसीसीएफ (NCCF) FPO के माध्यम से प्याज की खरीद कर रही हैं। किसानों का कहना है कि इस प्रणाली में बिचौलियों को लाभ होता है जबकि वास्तविक किसान अपनी उपज के सही दाम से वंचित रह जाते हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया। एफपीओ के माध्यम से प्याज खरीदी से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। कई असली किसान उचित दाम नहीं पा सके, जिससे उनका आर्थिक नुकसान हुआ है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार ने भी केंद्र को औपचारिक अनुरोध किया है कि प्याज की खरीद अढटउ के माध्यम से की जाए। सरकार का मानना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, प्रतिस्पर्धा आएगी और किसानों को वास्तविक लाभ मिलेगा। FPOs का उद्देश्य किसानों को सामूहिक रूप से संगठित कर बेहतर बाजार, संसाधन और मूल्य उपलब्ध कराना है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट सामने आ रही है। किसान संगठनों का कहना है कि यह मॉडल कागजी हो गया है और लाभ बिचौलियों तक सीमित रह गया है। रबी सीजन में बंपर उत्पादन के बाद मंडियों में प्याज की अधिक आवक ने कीमतें गिरा दीं। इसके साथ ही निर्यात प्रतिबंध, निर्यात शुल्क, और चीन-पाकिस्तान जैसे प्रतिस्पर्धियों की सक्रियता ने भारतीय प्याज के अंतरराष्ट्रीय बाजार को नुकसान पहुंचाया। बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप करे और प्याज खरीदी नीति में संशोधन कर APMC के माध्यम से खरीदी को प्राथमिकता दे ताकि किसानों को न्याय मिल सके।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से देशभर में समुदायों को किया जागरूक

मुंबई। भारत के गाँवों, छोटे शहरों और महानगरों में समुदायों को जोड़ने के उद्देश्य से, एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के बच्चों–जो बाल पंचायतों का हिस्सा हैं–ने नुक्कड़ नाटकों के जरिए जागरूकता अभियान चलाया। इन नाटकों के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश दिया कि बच्चों के सम्पूर्ण विकास में उनके माता-पिता और समुदाय की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। यह पहल एसओएस इंडिया के फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य समुदायों तक पहुंच बनाना और बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

1990 के दशक से ही FSP से जुड़े बच्चे अपने समुदायों में सामाजिक मुद्दों पर छोटे-छोटे नाटक प्रस्तुत करते आए हैं। 2010 से यह गतिविधि FSP का अभिन्न अंग बन चुकी है। ये नुक्कड़ नाटक एक प्रभावी और अनौपचारिक माध्यम बन गए हैं, जिनके जरिए जागरूक अभिभावकता, समुदाय की सक्रिय भागीदारी, और इन दोनों का बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर किया जाता है। ये नाटक वयस्कों को बच्चों के लिए अधिक सहयोगात्मक और पोषणयुक्त वातावरण बनाने व उसका समर्थन करने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और लचीलापन विकसित होता है–जो कि एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के मूल उद्देश्य से मेल खाता है: हर बच्चा एक सुरक्षित, स्नेहमय और सहयोगपूर्ण वातावरण में पले-बढ़े। एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के सीईओ सुमंत कर ने कहा, हम मानते हैं कि जब बच्चों को स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया जाता है, तो वे परिवर्तन के वाहक बनते हैं। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से, हमारा फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम बाल पंचायतों को प्रोत्साहित कर रहा है कि वे नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शिक्षा, बाल अधिकार, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा जैसे स्थानीय मुद्दों को रचनात्मक तरीके से उजागर करें। ये नाटक केवल प्रस्तुतियां नहीं, बल्कि भागीदारी के मंच हैं, जहाँ 10 से 17 वर्ष की उम्र के बच्चे स्क्रिप्ट से लेकर अभ्यास और प्रस्तुति तक, सभी चरणों में नेतृत्व करते हैं। बच्चे, बच्चों की आवाज बनते हैं–और यह पीयर-टू-पीयर मॉडल उनके समग्र विकास की दिशा में एक ठोस कदम है। नुक्कड़ नाटक देशभर के उन सभी स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं जहाँ एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया का FSP सक्रिय है। ये नाटक आमतौर पर तिमाही या अर्धवार्षिक रूप से आयोजित किए जाते हैं और प्रत्येक प्रदर्शन 15 से 30 मिनट का होता है। हर नाटक में लगभग 10 से 20 बच्चे शामिल होते हैं, जो अभिनय, मंच संचालन और लॉजिस्टिक्स की जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

भारत मंडपम में इंडिया हेल्थ 2025 का उद्घाटन, हेल्थकेयर क्षेत्र की नवाचार यात्रा को मिली नई रफ्ता

मुंबई। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आज इंडिया हेल्थ एग्ज़िबिशन 2025 के दूसरे संस्करण की भव्य शुरूआत हुई। इनफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय आयोजन 13 जुलाई तक चलेगा। यह कार्यक्रम देश में हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक) सेक्टर की तेजी से बढ़ती जरूरतों और संभावनाओं को दशार्ता है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में इस क्षेत्र में नौकरियों में 15-20% की बढ़ोतरी होगी, जो इस बात का संकेत है कि तकनीक-आधारित हेल्थकेयर समाधानों की मांग लगातार बढ़ रही है और स्वास्थ्य सेवाओं में टेक्नोलॉजी का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। उद्घाटन समारोह में कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जितेन्द्र शर्मा (प्रबंध निदेशक व संस्थापक सीईओ, अटळे), डॉ. गिरधर ज्ञानी (महानिदेशक, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया), राजीव नाथ (एमडी, हिंदुस्तान सिरिंज एंड मेडिकल डिवाइस लिमिटेड और फोरम कोऑर्डिनेटर, AIMED), सुश्री वीणा कोहली (सीईओ, वेंगार्ड डायग्नोस्टिक्स, पूर्व अध्यक्ष ADMI), श्री हिमांशु बैद (एमडी, पॉली मेडिक्योर और वाइस प्रेसिडेंट, नैटहेल्थ), योगेश मुद्रास (एमडी, इनफॉर्मा मार्केट्स इंडिया), गोप मेनन (सीएफओ, इनफॉर्मा मार्केट्स IMEA) और राहुल देशपांडे (सीनियर ग्रुप डायरेक्टर, इनफॉर्मा मार्केट्स इंडिया) जैसे गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। विशाखापत्तनम स्थित आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन में दुनिया की पहली समर्पित मेडिकल टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी शुरू होने जा रही है। इसकी घोषणा एएमटीजेड के प्रबंध निदेशक, संस्थापक और सीईओ डॉ. जितेंद्र शर्मा ने की। यह नवाचार आधारित संस्था M.Tech, MBA और Ph.D. जैसे उच्च स्तरीय डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश करेगी, जिसका उद्देश्य मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में कौशल विकास को एक नई दिशा देना है।

स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने भारत पहुंचा ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि मंडल

मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 7 से 11 जुलाई 2025 तक भारत दौरे पर है। यह प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया की 22 अग्रणी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है और ऊर्जा भंडारण तकनीक, ऊर्जा प्रबंधन के लिए एआई समाधान, सौर ऊर्जा तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा मॉडलिंग और मौसम पूवार्नुमान जैसे क्षेत्रों में अपने नवीनतम नवाचारों को भारत में प्रस्तुत कर रहा है। इसके साथ ही शिक्षा, क्षमता निर्माण और परामर्श सेवाओं के क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमीशन (ऑस्ट्रेड) कर रहा है, जिसे न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया राज्य सरकारों का सहयोग प्राप्त है।